के_डी_न्यूज

सुलतानपुर से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

UPHIN 47497

वर्ष–01 अंक 15 सुलतानपुर मंगलवार 19 नवम्बर 2024 मूल्य : दो रूपया पृष्ठ : 4

संवैधानिक जागरूकता पर जोर, संविधान दिवस पर ये बड़ा कदम उठाने जा रही मोदी सरकार

एजेंसी।

नई दिल्ली रिजिजू ने कहा कि 25 नवंबर को संसद की बैठक होने वाली है। कई बिल आने वाले हैं और मेरा मानना है कि वन नेशन, वन इलेक्शन जैसे मुद्दे भी आने वाले हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कुछ लोग संविधान तो रखते हैं लेकिन संविधान की मूल बातें और महत्व नहीं समझते। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक राष्ट्र, एक चुनाव के दृष्टिकोण के महत्व पर जोर दिया है और सुझाव दिया है कि यह प्रणाली भारत की प्रगति के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने कहा कि अगर हमें इस देश को आगे ले जाना है तो 5 साल में एक बार चुनाव होना चाहिए और फिर 5 साल तक काम करते रहना चाहिए। मेरा मानना छ्है कि श्वन नेशन वन

इलेक्शन की रिपोर्ट जो अध्यक्षता में तैयार की गई थी पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की रिपोर्ट संसद भवन में लायी जाएगी। हमने कहा कि एक देश, एक चुनाव जरूरी है क्योंकि हम एक देश हैं, हमें एक साथ वोट करना चाहिए और पूरे देश में एक ही मुद्दा चलना चाहिए देश। रिजिजू ने कहा कि 25 नवंबर को संसद की बैठक होने वाली है। कई बिल आने वाले हैं और मेरा मानना है कि वन नेशन, वन इलेक्शन जैसे मुद्दे भी आने वाले हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कुछ लोग संविधान तो रखते हैं लेकिन संविधान की मूल बातें और महत्व नहीं समझते। मैं चाहता हूं कि हर भारतीय को संविधान के बारे में पता होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम संविधान सदन में संविधान दिवस मनाने जा रहे हैं। हम पुस्तिकाएँ छाप रहे हैं जिन्हें आपके साथ साझा किया जाएगा।

मित्र हो तो कृष्ण सुदामा जैसा बाल व्यास मधुर जी महराज

धनपतगंज सुल्तानपुर। श्री मद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह के विश्राम दिवस पर बाल व्यास मधुर जी महराज ने सुदामा चरित्र परीक्षित मोक्ष की कथा बहुत ही मार्मिक ढंग से बताया। सुदामा के बारे में बताया कि कृष्ण सुदामा की मित्रता का गोदान पूरी दुनिया करती है। सुदामा इतने गरीब थे कि अपने परिवार को भरपेट भोजन भी नहीं करा पाते थे।पत्नी के बार–बार कहने के बावजूद वह श्री कृष्ण के पास सहायता मांगने के लिए तैयार नहीं होते थे। सुदामा चरित्र से हमको यह सीट मिलती है कि कठिनाइयां में हमें किस तरह से संघर्ष करना चाहिए और घर बनाए रखना चाहिए। बुरे दिन से परेशान होकर भी सुदामा श्री कृष्ण के पास मदद मांगने के लिए तैयार नहीं हुए। कृष्ण और सुदामा का प्रेम यानी सच्ची मित्रता यही थी कि उन्होंने सुदामा को अपने से भी ज्यादा ध्नवान बना दिया था। दोस्ती के इसी नेक इरादे का लोग उनकी मित्रता की मिसाल देते हैं। जीवन में आई कठिनाई का सामना करने की सीख हमें सुदामा से ही मिलती है भगवान के पास होते हुए अपने लिए कुछ नहीं मांगा अर्थात निस्वार्थ समर्पण ही असली मित्रता है। कथा के दौरान परीक्षित मोक्ष हुआ, भगवान सुखदेव की विदाई का वर्णन किया गया।बाल व्यास मधुर जी महाराज के द्वारा बताया गया कि राजा परीक्षित ने 7 दिन तक श्रीमद् भागवत कथा सुनी, जिससे उनके मन से मृत्यु का भय निकल जाता है। श्राप का निर्धारित समय आने पर तक्षक उन्हें डस लेता है जिससे उनकी मृत्यु हो जाती है। राजा परीक्षित भगवान कथा के प्रभाव से परमधाम को जाते हैं। श्री मद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह के विश्राम दिवस पर पत्रकार संतोष पाण्डेय ने सभी कथा भक्तों को पूर्ण मन से कथा श्रवण करने के लिए धन्यवाद दिया।कथा में शामिल अनुराग शास्त्री ने कहा कि मानव

उद्धार का मार्ग प्रभु की भक्ति ही है।इस पावन अवसर पर डॉ आर के मिश्र बल्ड बैंक प्रभारी ,रणधीर सिंह ब्लॉक अध्यक्ष कुड़वार, त्रिभुवन नाथ तिवारी शिक्षक, रमा शंकर मिश्र संकुल शिक्षक, कैप्टन के के पाठक, रजनीश मिश्रा अध्यक्ष अटल सेना, प्राचार्य इंटर कॉलेज वलीपुर अनिल तिवारी, संतोष तिवारी, राजेश दुबे निर्माण,शीतला प्रधान, शिव प्रसाद दुबे, राम कृष्ण दुबे, मुन्ना दुबे, सुरेंद्र तिवारी शिक्षक,शिव नाथ यादव, वरुण तिवारी,सहित सैंकड़ों कथा प्रेमियों ने पाण्डेय परिवार के साथ कथा श्रवण किया।

गगड़ा गांव में पोल टूटने से विद्युत आपूर्ति बाधित

चौरी चौरा गोरखपुर। विद्युत उपकेंद्र सरदारनगर क्षेत्र के गगड़ा गांव मे बिजली का पोल टूटने से 25 घरो की आपूर्ति ठप है। विभागीय लापरवाही से उपभोक्ताओं को एक सप्ताह से अंधेरे मे रहने की मजबूरी हो गई है। उपभोक्ताओं का कहना है कि उपकेंद्र पर सूचना देने के बाद पोल ठीक नही किया गया। क्षेत्र के गगड़ा गांव में जेसीबी से नहर की सफाई के दौरान बीते 12 नवम्बर को जेसीबी से पोल पर ठोकर लग गया। जिससे पोल टूट गया। गांव के प्रधान जन्मेजय सिंह ने बताया कि जिस दिन पोल टूटा था उसी दिन विद्युत विभाग को सूचना दिया गया था। लेकिन विभाग की लापरवाही से लगभग 25 घरो के लोग एक सप्ताह से अधेरे मे है। गांव के दीपक गुप्ता, सत्ते विश्वकर्मा, ओमप्रकाश जायसवाल, शिवमंगल, रमेश जायसवाल का कहना है विभाग की लापरवाही से आक्रोश है। इसी तरह सरैया गांव के लठौरवा के पास कांटा के निकट लगे 10 केवीए ट्रांसफर्मर से अर्जुन निगम, सुरेंद्र, रामबृक्ष, परिखन व विष्णु सहित कई उपभोक्ताओं की बिजली दो दिन से खराब है। आए दिन खराबी से उपभोक्ता त्रस्त हो गए है। अर्जुन निगम ने स्थाई समाधान कराने की मांग किया है।

फोरलेन पर गिरा बिजली का तार, आवागमन बाधित

हाटा बाजार गोरखपुर । गगहा एरिया के हाटाबाजार में फोरलेन को क्रास करती बिजली का तार अचानक टूटकर फोरलेन पर गिरने से आवागमन बाधित रहा। वही सूचना मिलने पर विद्युत आपूर्ति को रोक कर, मौके पर पहुंचे विद्युतकर्मी ठीक करने में लग गये। सोमवार को लगभग साढ़े तीन बजे हाटा बुजुर्ग गांव के मोड़ पर लगा विद्युत पोल से फोरलेन सड़क के दुसरे तरफ कालेज कटरा के पास बिजली सप्लाई के लगा पोल का तार अचानक टूटकर सड़क पर गिर गया। उस समय सड़क पर कोई आवागमन नहीं हो रहा था। वही बड़हलगंज से गोरखपुर जाने वाली लेन लगभग पच्चीस मिनट तक रुका रहा। विद्युत आपूर्ति कटने के बाद आवागमन शुरू हुआ। विद्युत कर्मी ने विद्युत आपूर्ति बहाल करने के लिए कार्य पर लगे हुए हैं। समाचार लिखे जाने पर अभी आपूर्ति बहाल नहीं हो पाई है।

आक्रोशित परिजनों ने शव को सड़क पर रख कर किया सड़क जाम

गोला गोरखपुर । गोला थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत जानीपुर के राजस्व टोला भुअहिया टोला की कौशल्या देवी पत्नी स्व परमहंस निषाद रविवार को सुबह छः बजे खेत काटने जा रही थी। कि इनके खेत से पहले इनका पट्टीदार ने अपने खेत के चारों तरफ बिजली का नंगा तार बिछा रखा था। जिससे कौशल्या का पैर बिजली के नंगे तार में फस गया और वह तत्काल घटना स्थल पर मर गई। जिसकी सुचना गोला थाने पर दी गयी। गोला पुलिस मौके पर पहुच कर शव को कब्जे में ले कर पीएम के लिए भेज दिया। सोमवार को सुबह लगभग 11बजे पीएम से शव जब घर आया तो परिजन शव को सड़क पर रख कर गोला कौड़ीराम रोड़ जाम कर दिया। आक्रोशित परिजनों का कहना था कि चौबीस घंटा बीत जाने के बाद भी एक भी अपराधी पकड़े नही गये हैं। हम चाहते हैं कि हमे प्रशासन से न्याय मिले। जाम की जानकारी होने पर तत्काल मौके पर तहसीलदार बांसगांव और गोला पुलिस मौके पर पहुची और कड़ी मसक्कत के बाद लगभग एक घंटे बाद जाम खुलवाया। कौशल्या देवी का पुत्र रविन्द्र निषाद ने अपने लिखित तहरीर मे लिखा है कि हम प्रार्थी के पिता तीन भाई है। दिनेश पुत्र राम अशिष निषाद व फुलवती पत्नी राम अशीष निषाद व मंशा पुत्री राम अशीष निषाद ने हमारे मेड़ पर बिजली का नंगा तार बिछा दिया था। 17 नवम्बर को सुबह छः बजे हमारी माँ कौशल्या देवी अपने खेत पर गई तो विपक्षी द्वारा बिछाए गये बीजली के नंगे तार के चपेट में आने से हमारी माँ की मृत्यु हो गई.।मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जाय।

गोरखपुर के सिधवाना गांव में विद्यालय निर्माण की शुरुआत

क्षेत्र के विकास को मिलेगी नई दिशा

धुरियापार । शिक्षा के क्षेत्र में सुधार और ग्रामीण बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, गोरखपुर के सिधवाना गांव में विद्यालय निर्माण के लिए भूमि पूजन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में चिल्लूपार विधानसभा के विधायक राजेश त्रिपाठी ने शिरकत की और इस पहल को क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण बताया। विधायक राजेश

त्रिपाठी ने कहा, "यह क्षेत्र लंबे समय से एक अच्छे विद्यालय की जरूरत महसूस कर रहा था। अब यहां के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। यह विद्यालय क्षेत्र के बच्चों के उज्जवल भविष्य की नींव बनेगा।" उन्होंने इस कार्य के लिए जिलापंचायत सदस्य डिंकू मिश्रा उर्फ गौरीशंकर मिश्रा को बधाई दी। यह विद्यालय क्षेत्र के बच्चों के लिए शिक्षा का एक नया मंच तैयार करेगा। स्थानीय निवासियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। इस आयोजन में प्रमुख प्रतिनिधि जुगूनू दूबे, नगर पंचायत उरुवा के चेयरमैन प्रतिनिधि मुन्ना सिंह, वेद सिंह, अभिमन्यु सिंह, सर्वेश मिश्रा समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सिधवाना गांव में विद्यालय निर्माण की यह पहल शिक्षा के माध्यम से क्षेत्र के विकास को नई ऊंचाई देने का काम करेगी। यह न केवल बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराएगा, बल्कि उनके भविष्य को भी सशक्त बनाएगा।

श्री राम दरबार पंचमुखी हनुमान मंदिर की रखी गयी आधारशिला

गोला गोरखपुर । गोला तहसील क्षेत्र के ग्राम सभा सेमरी में माँ जम्बूदीप भगवती मंदिर के बगल में सोमवार को राम दरबार पंचमुखी हनुमान मंदिर की आधारशिला विधि विधान के साथ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच प्रधान प्रतिनिधि सदन तिवारी के पिता समाजसेवी फडीश तिवारी द्वारा रखा गया। आधारशिला रखने के साथ ही मंदिर निर्माण कार्य शुरू हो गया। प्राप्त विवरण के अनुसार सेमरी गाँव की पूज्य भगवती माँ जम्बूदीप के मंदिर के बगल में राम दरबार पंचमुखी हनुमान मंदिर का आधारशिला प्रकांड विद्वान के द्वारा बिधि बिधान के साथ वेद मंत्रों के उच्चारण के बीच रखा गया। भूमि पूजन का कार्य वयोवृद्ध समाजसेवी फडीश तिवारी द्वारा सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं के द्वारा उच्चरित जय श्री राम व जय बजरंग बली के घोष से पूरा प्रांगण गुंजायमान हो गया। इस श्री राम दरबार पंचमुखी हनुमान मंदिर में भगवान राम लक्ष्मण भरत शत्रुध्न माता जानकी सहित भक्त हनुमान की प्रतिमा स्थापित की जाएगी।

देश के महामहिम राष्ट्रपति सहित यशस्वी प्रधानमंत्री से राष्ट्रीय युवा वाहिनी संगठन करेगा दस सूत्रीय मांग

लखनऊ– देश भर में हिंदुत्व का परचम लहराने वाले संगठन राष्ट्रीय युवा वाहिनी के पदाधिकारियों के द्वारा भारत के महामहिम राष्ट्रपति सहित देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी एवं गृहमंत्री माननीय अमित शाह जी से निम्न माँगो को लेकर अग्रणी भूमिका निभाएगा। (1) भारत को हिन्दू राष्ट्र घोषित किया जाए। (2) भारत के मन्दिरों को टेक्स से मुक्त किया जाए, साथ ही मन्दिरों को साधु – संतों के अधीन किया जाए। (3) भारत में सनातन

बोर्ड का गठन किया जाए। (4) गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिया जाए। (5) मन्दिर एवं आश्रम के पुजारी तथा महतों को 25 हजार रुपया प्रतिमाह मानदेय के रूप मे दिया जाय। (6) भारत के साधु– संतों को सुरक्षा व्यवस्था मुहैया कराई जाए। (7) भारत के सभी आश्रम में गुरुकुल संचालित करने के लिए शासकीय जमीन उपलब्ध कराकर आर्थिक सहायता दी जाए। (8) भारत के सभी आश्रमो में गौशाला संचालित करने हेतु शासकीय जमीन उपलब्ध कराते हुवे आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए। (9) भारत से कत्ल खाने पूर्ण रूप से बन्द किया जाए। (10) भारत में साधु– संतों को ट्रेन या बस से यात्रा करने के लिए निशुल्क यात्रा पास जारी किया जाए। राष्ट्रीय युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिंदू देव प्रकाश शुक्ला ने कहा अपनी निम्न सनातन रक्षक माँगो को लेकर राष्ट्रीय युवा वाहिनी के सभी पदाधिकारी अपने– अपने क्षेत्र से महामहिम राष्ट्रपति जी, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी एवं देश के गृहमंत्री जी के नाम जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौपकर माँग करें।

वरिष्ठ नागरिकों को निशुल्क जांच एवं उपकरण वितरण शिविर का हुआ आयोजन

सहजनवां गोरखपुर । सामाजिक अधिकारिता मंत्रालय द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को निरुशुल्क जांच एवं उपकरण वितरण के शिविर का आयोजन विकासखंड पिपरौली केंद्र पर हुआ । इस जांच में 60 वर्ष से ऊपर वरिष्ठ नागरिकों की विभिन्न प्रकार की जांच एवं उपकरण में कान की मशीन, व्हीलचेयर, कमम्बोड, कमर बेल्ट, घुटने का बेल्ट, छड़ी, कालर इत्यादि का वितरण हो रहा है। यह उपकरण भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम कानपुर के द्वारा जिला प्रशासन समाज कल्याण विभाग के द्वारा संपन्न हो रहा है। अब तक लगभग विभिन्न आयोजनों में लगभग 2000 तक वरिष्ठ नागरिकों की जांच एंव रजिस्ट्रेशन हो गया है। वही यह आयोजन दिनांक 19–11–24 को पाली उरुवा में संपन्न होगा। यह आयोजन बी.डी. ओविकासखंड पिपरौली गोरखपुर की अध्यक्षता में हुआ है। इस आयोजन में डॉक्टर अशोक प्रताप सिंह, अनिल कुमार, जयप्रकाश यादव आदि लोगों के द्वारा जांच एवं रजिस्ट्रेशन का कार्यक्रम संपन्न हो रहा है।इस कार्यक्रम में लगभग 50 लोगों का रजिस्ट्रेशन संपन्न हुआ।

पत्रकार पर जानलेवा हमले के विरोध में डीएम को पत्रकारों ने सौंपा ज्ञापन

'सुल्तानपुर–बीते दिनों मथुरा में इंडिया न्यूज चौनल के पत्रकार वीर नारायण शर्मा के ऊपर जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर गुंडे भूरा द्वारा किये गए जानलेवा हमले के विरोध में सुल्तानपुर में सोमवार को आल इंडिया

पत्रकार सुरक्षा एवं अधिकार संगठन के बैनर तले काफी संख्या में पत्रकारों ने हाथों में काली पट्टी बांधकर कलेक्ट्रेट में महामहिम राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्स्ना को सौंपा। महामहिम को सम्बोधित ज्ञापन में पत्रकारों ने मथुरा जनपद में इंडिया न्यूज के पत्रकार वीर नारायण शर्मा के ऊपर गुंडे भूरा द्वारा किये गए जानलेवा हमले को लेकर अपराधी भूरा पर अविलम्ब कार्यवाही करवाये जाने एवं पत्रकारों को सुरक्षा के बावत शास्त्र लाइसेंस निर्गत किये जाने के संदर्भ में माँग की है।

मासिक प्रगति पोर्टल पर करें अपलोड–सीडीओ

सुलतानपुर शासन द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में जिलाधिकारी कृत्तिका ज्योत्स्ना की अध्यक्षता व मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट में 50 लाख से अधिक लागत की निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति समीक्षाधविकास कार्यों की समीक्षा उ0प्र0 मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के माध्यम से आयोजित की गयी। उक्त बैठक में जिलाधिकारी द्वारा सभी विभागों के विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया गया कि कार्यदायी संस्था द्वारा कराये जा निर्माणाधीन कार्यों का नियमित अन्तराल पर निरीक्षण करते

रहे व निरीक्षण आख्या प्रस्तुत करें। उन्होंने सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि कार्य में प्रगति लाते हुए कार्य समय पर गुणवत्तापूर्ण कराना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी द्वारा सभी निर्माणाधीन परियोजनाओं के भूमि विवाद, कार्य की प्रगति, निर्धारित समय में पूर्ण होने की तिथि व कार्य पूर्ण करने में देरी आदि विषयों पर सभी सम्बन्धित विभागों व कार्यदायी संस्थाओं के साथ विस्तृत चर्चा की गयी।जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी द्वारा उ. प्र. मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के माध्यम से विभागवार चल रही योजनाओं की प्रगति समीक्षा की गई। उक्त समीक्षा बैठक में यूपी नेडा, कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग, लोक निर्माण विभाग, दिव्यांगध्महिला कल्याणध्दुग्ध ध्पंचायती राज, बेसिक शिक्षा, पर्यटन सहित कई अन्य विभागों के संचालित प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सभी कार्यदायी संस्थाओं के सम्बन्धित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये गये कि निर्माणाधीन परियोजनाओं की मासिक प्रगति पोर्टल पर ससमय अपलोड करें। उन्होंने सभी को निर्देशित किया कि इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 ओ0पी0 चौधरी, जिला विकास अधिकारी अजय कुमार पाण्डेय, डीएफओ अमित सिंह, परियोजना निदेशक (डीआरडीए) अशोक कुमार सिंह, उप निदेशक कृषि रामाश्रय यादव, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी उपेन्द्र गुप्ता, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी दद्दन कुमार सहित अन्य सभी सम्बन्धित अधिकारीगण व कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

रास्ते के विवाद को लेकर हो रहे विवाद को मौके पर देखने पहुची पुलिस से हुआ नोक झोंक

गोला पुलिस ने नोकझोक करने वाले को उठा लायी थाने

गोला गोरखपुर। गोला थाना क्षेत्र के ग्राम भरसी बुजुर्ग में दो पक्षो के बीच काफी दिनों से चल रहे रास्ते के विवाद मे सोमवार को गोला पुलिस मौके पर पहुची। घटनास्थल को देख रही थी कि एक पक्ष के लोगो से पुलिस की हॉक टॉक शुरू हो गया और धीरे धीरे मामला बढ़ गया। हॉक टॉक करने वाले पक्ष व घटना स्थल पर पहुचे हल्का एस आई व पुलिस के बीच जमकर नोक झोंक हो गया। घर की महिलाएं भी बाहर निकल पड़ी। अंत मे पुलिस ने नोक झोंक करने वाले को पकड़ कर थाने उठा ले गयी। प्राप्त विवरण के अनुसार भरसी बुजुर्ग गांव में दो पट्टीदारों के बीच रास्ते की जमीन को लेकर काफी दिनों से तनातनी चल रही थी। दोनों पक्ष तहसील थाने से लेकर उच्चाधिकारियों तक अपनी फरियाद पहुचा दिए थे। सोमवार को विवाद को देखने के लिए हल्का दरोगा मय हमराही भरसी बुजुर्ग गाँव पहुच गए। वहां पर स्थित को देखने के बाद गांव के ही त्रिपुरारी मिश्रा से पूछताछ करने लगे। पूछताछ करते समय मामला गम्भीर बन गया। पुलिस और त्रिपुरारी में हॉक टॉक शुरू हो गया। उसी बीच महिलाएं भी निकल पड़ी और पुलिस से काफी नोक झोंक हो गया। मौके पर पहुची पुलिस ने त्रिपुरारी को पकड़ कर थाने उठा लायी। इस प्रकरण पर कोतवाल गोला वेद प्रकाश शर्मा का कहना है पुलिस द्वारा पकड़े गए व्यक्ति के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर कार्यवाही की जा रही है।

के.डी.न्यूज (हिन्दी दैनिक)

सम्पादकीय

सुलतानपुर मंगलवार (2)
19 नवम्बर 2024

सम्पादकीय...

ह्वाइट हाउस में लौटने जा रहे ट्रंप

नतीजा वही उभरा, जिसका अनुमान पहले से था। अब डॉनल्ड ट्रंप ह्वाइट हाउस में लौटने जा रहे हैं और उसके साथ ही उनसे जड़ी रहीं तमाम अनिश्चतताओं और आशंकाओं की भी वापसी हो गई हैं। जो बाइडेन व कमला हैरिस प्रशासन ने अपने ही कई फैसलों और नीतियों से खुद अपने समर्थन आधार की जड़ें कमजोर की थी। दूसरी तरफ डॉनल्ड ट्रंप ने गुजरे चार साल में ट्रंपिज्म को ना सिर्फ जिंदा रखा, बल्कि बाइडेन प्रशासन से बढ़े असंतोष को अपने पक्ष में संगठित करने में लगातार जुटे रहे। बाइडेन– हैरिस ने ट्रंप के खिलाफ आधे–अधूरे मन से कानूनी कार्रवाइयां कीं, जिनसे पूर्व राष्ट्रपति के समर्थकों में प्रतिशोध की भावना बढ़ाई। चुनाव अभियान के दौरान दो बार हुए जानलेवा हमलों ने ट्रंप के लिए सहानुभूति और बढ़ा दी। नतीजा चुनाव में लैंडस्लाइड जैसे जनादेश के रूप में सामने आया है। इस लहर पर सवार होकर ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी ने कांग्रेस (संसद) में भी निर्णायक जीत हासिल कर ली है। राज्यों के गवर्नरों के चुनाव में भी रिपब्लिकन पार्टी का पलड़ा भारी रहा। डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रबंधक चुनाव नतीजों की ईमानदारी से समीक्षा करें, तो उन्हें अपनी उन बड़ी गलतियों का अहसास होगा, जिनके कारण उन्हें इतना बड़ा झटका लगा है। ऊंची उम्मीदें जगाकर सत्ता में आने के बाद वादों से मुकरना, विदेश नीति में युद्ध को प्राथमिकता बनाना, और इस भरोसे बैठे रहना कि ट्रंप के भय से लोग डेमोक्रेटिक पार्टी को वोट डालने के लिए विवश बने रहेंगे, पार्टी को भारी पड़ा है। हकीकत यह है कि ट्रंपिज्म का समर्थन आधार लगातार मजबूत बना हुआ है, जो अब रिपब्लिकन पार्टी की आधिकारिक विचारधारा बन चुका है।इसका मुकाबला पुरानी मध्यमार्गी नीतियों से करने की रणनीति के सफल होने की संभावना आरंभ से ही कमजोर थी। ऊपर से बाइडेन की लगातार कमजोर होती गई मानसिक क्षमता डेमोक्रेट्स की बड़ी समस्या बन गई। इसके बीच अचानक कमला हैरिस को उम्मीदवार बनाने का दांव पार्टी ने चला, मगर यह साफ होता गया कि नई उम्मीदें जगाने का हैरिस के पास कोई एजेंडा नहीं है, जबकि बाइडेन की विरासत से रहा उनका जुड़ाव उन्हें महंगी पड़ेगा– यह शुरुआत से स्पष्ट था। आखिरकार नतीजा वही उभरा, जिसका अनुमान पहले से था। अब डॉनल्ड ट्रंप ह्वाइट हाउस में लौटने जा रहे हैं और उसके साथ ही उनसे जड़ी रहीं तमाम अनिश्चतताओं और आशंकाओं की भी वापसी हो गई हैं।

अंतिम सांस छिंदवाड़ा की सेवा करते रहूंगा– कमलनाथ

पूर्व केन्द्रीय मंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान में छिंदवाड़ा विधानसभा के विधायक कमलनाथ आज 18 नवंबर को 78 वर्ष के हो गये।परिवर्तन प्रकृति का नियम है समय के अनुसार सब बदलता है, कमलनाथ ने अपने 78 वर्ष में कितने बदलाव देखे है वे ही जानते है किन्तु 1980 से अभी तक के बदलाव हम देख रहे है।कमलनाथ ऐसे नेता रहे है जिनकी पत्नी श्रीमती अलकानाथ एवं पुत्र नकुलनाथ भी सांसद रहे है। परिवार से तीनों सांसद एवं वे मुख्यमंत्री भी रहे है।कमलनाथ इंदिरा गांधी के बेटे संजय गांधी के बाल सखा थे वे उनके साथ पढे, 1977 में जब पूरे देश में कांग्रेस का सफाया हो गया था तब देश में कांग्रेस की मात्र दो सीट ही जीती थी जिसमें एक राजस्थान से और दूसरी छिंदवाड़ा से, कांग्रेस के लिये यह सबसे सुरक्षित सीट थी, 1977 में नागपुर के गार्गी शंकर यहा से सांसद चुने गये तब पूरे देश में छिंदवाड़ा का नाम आया।1980 में लोकसभा के चुनाव में सबसे सुरक्षित सीट होने के नाते संजय गांधी ने इंदिरा गांधी पर दबाव डाला और कमलनाथ को छिंदवाड़ा से चुनाव लड़ानेकी बात कही।कहते है कि इंदिरा गांधी गार्गी शंकर को छिंदवाड़ा से हटाने के लिए तैयार नही थी, किन्तु बाद में गार्गीशंकर को सिवनी से और कमलनाथ को छिंदवाड़ा से लोकसभा चुनाव लड़ाने की बात आई और कमलनाथ छिंदवाड़ा से कांग्रेस के प्रत्याशी बने। 1980 में इंदिरा गांधी पुनरू सत्ता में आई संजय गांधी के कारण कमलनाथ काफी पावर फुल नेता थे। 1979 में उनके चुनाव में कई केन्द्रीय नेता चुनाव प्रचार में आये राज्य की ओर से अर्जुनसिंह एंव उनकी पत्नि श्रीमती सरोज सिंह ने कई दिनों तक छिंदवाड़ा में कैम्प किया।कमलनाथ चुनाव जीत गये, प्रदेश में भी कांग्रेस की सरकार बनी, आदिवासी नेता शिवभानु सोलंकी का नाम मुख्यमंत्री के लिए चल रहा था, किन्तु कमलनाथ ने अपने विधायको के साथ अर्जुनसिंह को समर्थन दिया और अर्जुनसिंह प्रदेश के मुख्यमंत्री बन गये।

बुलडोजर एक्शन पर कोर्ट का आदेश मनमानी पर अंकुश

बुलडोजर एक्शन में यही बात नजर आती है। दरअसल यह काम देश की अदालतों का है कि सुनवाई के बाद आरोपी को सजा देने या नहीं देने का। बुलडोजर एक्शन में ऐसे न्याय की संभावना पहले ही खत्म हो जाती है, जहां बगैर किसी सुनवाई के फैसला सुना दिया जाता है। सरकारें की गलतफहमी है कि एक बार चुनाव जीतने के बाद उन्हें मनमानी का अधिकार मिल जाता है। इसी भ्रम में सरकारें अपने को अदालत से ऊपर समझने लगती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोर एक्शन के मामले में फैसला देकर सरकारों का यह सपना तोड़ दिया है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला दिल्ली की आप सरकार के मामले में दिया है, किन्तु यह लागू सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों पर होता है। सुप्रीम कोर्ट ने 13 नवंबर को बुलडोजर एक्शन के खिलाफ दायर याचिका पर फैसला सुनाते हुए तीखी टिप्पणी की। साथ ही बुलडोजर की कार्रवाई को लेकर गाइडलाइन तय कर दी। फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने दो टूक कहा कि किसी भी मामले में आरोपी होने या दोषी ठहराए जाने पर भी घर तोडना सही नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने जमीयत उलेमा–ए–हिन्द बनाम उत्तरी दिल्ली नगर निगम व अन्य से संबंधित केस में दो टूक कहा है कि इस मामले में मनमाना रवैया बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिकारी मनमाने तरीके से काम नहीं कर सकते। बगैर सुनवाई आरोपी को दोषी नहीं करार नहीं दिया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा अपना घर पाने की चाहत हर दिल में होती है। यद्यपि यह फैसला दिल्ली सरकर से संबंधित है पर इसमें कोई दो राय नहीं है कि इस फैसले के बाद अब योगी सरकार के लिए बुलडोजर एक्शन लेना भी मुश्किल हो जाएगा। कार्यपालिका के पास असीम शक्तियां होती हैं। इसी बल पर हर साल सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को कार्यपालिका विभिन्न कारणों को आधार बनाकर सैकड़ों आदेशों का अनुपालन नहीं करती है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार से शुरु हुआ बुलडोजर एक्शन का यह सिलसिला पूरे देश में फैल गया था। राज्यों की सरकारों ने इसका राजनीतिक इस्तेमाल करने में कसर बाकी नहीं रखी। वोट बैंक राजनीति ऐसे फैसलों में साफ नजर आती है। हालांकि उत्तर प्रदेश में बुलडोजर एक्शन अपराधियों के आवास और व्यवसायिक प्रतिष्ठान गिराने के लिए लिया गया था। बुलडोजर एक्शन में भी अपराधियों में भेदभाव के उदारहण मौजूद हैं। इसका दुरुपयोग भी सांप्रदायिक आधार पर किया गया। इसमें कोई संदेह नहीं कि ऐसी सख्त कार्रवाई से अपराधियों में कहीं न कहीं खौफ उत्पन्न होता है। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने जिस तरह माफिया या गैंगस्टर का सफाया किया, उससे काफी हद तक अपराधों पर लगाम लग सकी है। इस कार्रवाई से शायद ही कोई इत्तफाक रखता हो। सवाल यही आता है कि अपराध रोकने की आड़ में सरकार क्या कानून से ऊपर है बुलडोजर एक्शन में यही बात नजर आती है। दरअसल यह काम देश की अदालतों का है कि सुनवाई के बाद आरोपी को सजा देने या नहीं देने का। बुलडोजर एक्शन में ऐसे न्याय की संभावना पहले ही खत्म हो जाती है, जहां बगैर किसी सुनवाई के फैसला सुना दिया जाता है। इससे यदि आरोपी गलत ना भी हो तो उसे घर या दुकान तुड़वाने की सजा भुगतनी पड़ती है। जबकि सजा तय करने की जिम्मेदारी अदालतों की है। सरकारों की यह हरकत निश्चित तौर पर अदालतों के मामले में दखलंदाजी रही है। बुलडोजर एक्शन की कार्रवाई सरकारों को बेशक सस्ती लोकप्रियता दिला सकती है, न्याय नहीं। महाराजगंज जिले में सड़क के फोर लेन की चौड़ीकरण के संबंध में एक व्यक्ति के मकान गिराने के लेकर कोर्ट ने काफी तीखी टिप्पणी दी और उत्तर प्रदेश सरकार पर 25 लाख का जुर्माना भी लगाया। हालांकि यह विकास कार्यों के लिए की गई कार्रवाई थी। इसमें सरकार की वह मंशा नहीं थी कि किसी अपराधी का घर गैरकानूनी अवैध कब्जा की बात कहकर गिराई गई हो। फिर भी कोर्ट ने पीडिघ्त की बात सुनी। इस तरह के अतिक्रमण हटाने के भी कायदे–कानून बने हुए हैं। उनका पालना किए गए बगैर सीधे बुलडोजर दौड़ा देना, अन्याय ही कहा जाएगा। ऐसे मामलों की भी कमी नहीं हैं, जहां आम आदमी की सम्पत्ति को अतिक्रमण के नाम पर ढहा दिया जाता है, वहीं रसूखदारों की तरफ प्रशासन की आंख उठाने की भी हिम्मत नहीं होती। देश का शायद ही ऐसा कोई शहर होगा जहां, प्रभावशाली लोगों के अतिक्रमण तोडने में सरकार और प्रशासन ने उदाहरण पेश किए होंगे। सरकार और प्रशासन प्रभावशाली लोगों के सामने कैसे नतमस्तक हो जाते हैं, इसका सबसे बड़ा उदाहरण नोएडा के ट्विन टावर का मामला है। सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त 2021 में सुपरटेक के नोएडा एक्सप्रेसवे पर स्थित एमराल्ड कोर्ट प्रोजेक्ट के अपैक्स और सियान टॉवरों को अवैध ठहराया था। दोनों 40 मंजिला टावरों को ढहाने का आदेश दिया गया। कोर्ट ने कंपनी को फ्लैट खरीदारों को ब्याज के साथ पैसे वापस करने का आदेश दिया।

जबकि इस मामले में सरकार और नोएडा ऑथरिटी सब कुछ जानते हुए भी हाथ पर हाथ धरे हुए बैठे रहे। नोएडा अथॉरिटी को भी इस ध्वस्तिकरण पर निगरानी करने और रिपोर्ट अदालत को देने का आदेश दिया गया है। इस आदेश के कुछ महीनों बाद बाद ट्विन टावर को ढहा दिया गया। बुलडजोर एक्शन लेने वाली सरकार और प्रशासन को यह पहले से ही पता था कि ये टावर नियमों विपरीत बनाए गए हैं। इसके बावजूद शासन–प्रशासन में बैठे जिम्मेदार आंखें मूंदे बैठे रहे। यहां बुलडोजर चलाने की किसी की हिम्मत नहीं हुई। इसकी उपेक्षा ऐसे ही नहीं की गई। इसमें भारी भ्रष्टाचार की गंध चारों तरफ से आ रही थी, किन्तु अदालत के फैसले से पहले किसी ने इसकी परवाह नहीं की, वहीं कमजोर के मामले में बुलडोजर एक्शन लेने में फुर्ती दिखाई जाती है। देश में भूमाफिया और बिल्डर की शासन–प्रशासन से मिलीभगत के किस्से आम हैं। देश के महानगर से लेकर छोटे शहरों में अतिक्रमणों की बाढ़ आई हुई है। ये अतिक्रमण एक दिन में नहीं हुए। अतिक्रमियों ने सार्वजनिक सुविधा के क्षेत्र तक नहीं छोड़े। देश में शायद ही ऐसी कोई सड़क या फुटपाथ होगा, जहां अतिक्रमण ने पांव नहीं पसारे। वन क्षेत्र हो या गोचर भूमि, यहां तक की तालाब, नदियों और झीलों के बहाव क्षेत्र भी अतिक्रमियों की भेट चढ़ गए, किन्तु शासन–प्रशासन की तंद्रा भंग नहीं हुई। ये तभी जागते हैं जब अदालतों का डंडा चलता है। इन अतिक्रमियों के निर्माण पर बुलडोजर चलाने से सब कतराते हैं। इसका उदाहरण जयपुर का रामगढ़ बांध है। कभी बरसाती जल से सरोबार रहने वाला यह प्रसिद्ध बांध अतिक्रमियों का शिकार हो गया। कभी जयपुर की लाइफ लाइन माने जाने वाला यह बांध कई दशकों से सूखा पड़ा है। देश में ऐसे सैकड़ों उदाहरण मौजूद हैं जहां अतिक्रमियों ने प्राकृतिक स्त्रोतों को ही निगल लिया। यहां तक खनन करके की पहाड़ के पहाड़ गायब कर दिए। अरावली की पहाड़ी श्रृंखला इसका भ्रष्टाचार और लापरवाही का सबसे बड़ा उदाहरण है। अतिक्रमण के मामले में वोट की राजनीति की बदौलत ही छोटे–बड़े शहरों में अवैध कच्ची–पक्की बस्तियां तक बस गई। ये अतिक्रमण सालों–साल चलते रहे हैं, किन्तु नेता–अफसरों के गठजोड़ के कारण इन्हें जड़ से खत्म नहीं किया जा सका। दरअसल बुलडोजर चलना तो ऐसे अतिक्रमणों पर चाहिए, जिसने देश के आम लोगों को पैदल चलना तक दुभर कर रखा है। इनके बजाए सिर्फ चुनिंदा अतिक्रमियों को अपराधी बता कर बुलडोजर चलवाना सरकारों की बदनियति को ही उजागर करता है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से सरकारों को सबक लेना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में यह कहीं नही

वायु प्रदूषण की जंग को गंभीरता से लेना होगा

भारत और पाकिस्तान लड़ रहे है, पर एक दूसरे से नहीं बल्कि जहरीली हवाओं से। अमेरिकी अंतरिक्ष संस्था नासा ने उपग्रह से एक तस्वीर खींची है जिसमें जहरीली धुंध की एक मोटी चादर पूर्वी पाकिस्तान से लेकर पूरे उत्तर भारत पर छाई हुई है। लाहौर तो मोटी जहरीली चादर से इस हद तक ढका हुआ है कि नजर तक नहीं आ रहा है। जनता पीड़ा झेल रही है, सांस लेना मुहाल है और जिंदा रहना मुश्किल होता हुआ है। हवा में जलने की बदबू घुली है, आंखों में चुभन है तो गले में जलन।जनाब शहरयार की गजघ्ल की इस पंक्ति सीने में जलन आँखों में तूफान सा क्यों है, इस शहर में हर शख्स परेशान सा क्यों है का सन्दर्भ भले भले ही दूसरा हो, मगर आज इससे लाहौर से लेकर दिल्ली तक की स्थिति का सटीक वर्णन हैं।पिछले हफ्ते स्विस संस्था आईक्यूएयर ने लाहौर का प्रदूषण सूचकांक 1,165 बताया था। वहां स्कूल बंद कर दिए गए हैं और रोजीरोटी कमाने के काम रूक से गए हैं। दिल्ली में हालात आज बहुत बिगड़े। शहर छोड़कर नीले गगन और साफ हवा वाली जगह पर चले जाने की जरूरत महसूस हुई। दीपावली के 13 दिन बाद, 13 नवंबर को दिल्ली की सुबह मलिन और धूल–धुंध भरी थी। मुझे सुबह उठते ही अपने लिविंग रूम में पेट्रोल या डीजल के जलने जैसी गंधा का अहसास हुआ। एयर प्यूरीफायर्स के मीटर खतरनाक स्तर दर्शाने वाले लाल रंग पर थे। एक्स के जरिए सूचना दी जा रही थी कि दक्षिण दिल्ली के वसंत विहार में एक्यूआई 1696 तक पहुंच गया है। धुएं भरा मटमैला आसमान, थमी हुई हवा, जलने की बदबू, नजर न आने वाली लपटें, खराश भरे गले, बीमारी और जल्दी मौत के मुंह में चले जाने का भय दृ मुझे डिप्रेशन महसूस होने लगा। बुधवार को दिल्ली में आधिकारिक रूप से श्प्रदूषित मौसमथ् का आगाज था।वे दिन बीत गए जब दिल्ली की सुबहें ठंडी और स्फूर्तिदायक होती थीं। दोपहरें सुहानी होती थीं और हवा में पेड़ों से गिरी पत्तियों की गंध होती थी। रक्तिम शामें, अपने साथ सर्दी का अहसास लाती थीं। हम लोधी गार्डन में टहलते थे, सर्दी की धूप में छत पर बैठते थे। मैं पूरे विश्वास से कह सकती हूं कि लाहौर में भी सर्दी का मौसम इतना ही खुशनुमा होता होगा। अब वह सब एक सपना, एक कल्पना लगता है।जो दिल्ली के बाहर जा सकते हैं, वे जा रहे हैं। जिनके सामने कोई चारा नहीं हैं, वे जितने दिन काम करते हैं उससे ज्यादा दिन बीमार होकर घर में कैद रहते हैं। मेरा मानना है कि चूंकि केन्द्र एवं राज्य सरकारें इस मौसमी प्रदूषण का कोई हल निकालने में असफल रही हैं, इसलिए उन्हें एक कानून बनाना चाहिए कि नवंबर से जनवरी तक के तीन महीने वर्क फ्राम होम एवं लर्न फ्राम होम होंगे। यदि आप युद्ध लडना नहीं जानते तो कम से कम आपको अपने लोगों को सुरक्षित शरणस्थल तो मुहैया कराना ही चाहिए।जहां तक भारत और पाकिस्तान के रिश्तों का सवाल है, चूंकि मौसम दोनों देशों के लिए विषाक्त है, इसलिए दोनों देशों के बीच श्धुंध कूटनीतिथ् प्रारंभ करने की बातें होने लगी हैं। पाकिस्तानी पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज, जो इन हालातों के लिए भारत को दोषी ठहराती हैं दृ भारतीय पंजाब के किसानों द्वारा पराली जलाने के कारण दृ ने कहा है कि जब तक दोनों पंजाब मिलकर कदम नहीं उठाते तब तक इस समस्या से निपटना मुमकिन नहीं है। भारत ने अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है।मुझे पता है कि हमारे चीन से रिश्ते भी कुछ हद तक श्विषाक्तथ् हैं, लेकिन समस्या की गंभीरता के मद्देनजर हमें इस श्प्रदूषण ऋतुथ् से निपटने के बारे में उससे कुछ सबक सीखने चाहिए। बीजिंग, जिसे जहरीली हवा का शहर कहा जाता था, की वायु आज पहले से बेहतर है। जहां हम अभी भी आतंकित हैं, वहीं चीन को कामयाबी इसलिए हासिल हुई क्योंकि वहां सरकार से लेकर जनता तक दृ सबने वायु प्रदूषण से मुकाबले में अपनी–अपनी भूमिका पूरी ईमानदारी से निभाई। कोयले का उपयोग कम करके उसके स्थान पर गैस और ग्रीन एनर्जी का इस्तेमाल करने पर बहुत जोर दिया। सरकार ने इलेक्ट्रिक कारों को खरीदना, पेट्रोल कारों की खरीददारी से आसान बना दिया। कोयले से चलने वाले बिजलीघरों को बंद किया गया,

फिल्मी दुनिया/सेहत

हुमा कुरैशी ने अनाउंस की महारानी 4, सीरीज को दिया सक्सेस का क्रेडिट

हुमा कुरैशी की पॉलिटिकल ड्रामा वेब सीरीज महारानी को दर्शकों ने काफी पसंद किया. सोनी लिव पर स्ट्रीम हुई वेब सीरीज के अब तक तीन सीजन आ चुके हैं. वहीं अब फैंस महारानी के चौथे सीजन का इंतजार कर रहे थे और इसी बीच हुमा कुरैशी ने सीरीज का चौथा सीक्वल अनाउंस कर दिया है.हुमा कुरैशी ने साल 2012 में आई फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर से बॉलीवुड डेब्यू किया था. इसके बाद उन्होंने डेढ़ इश्किया, तरला, एक थी डायन और डबल एक्सेल जैसी फिल्मों में काम किया. लेकिन उन्हें जो पहचान महारानी जैसी वेब सीरीज से मिली, वो फिल्मों से हासिल ना हो सकी. इस बारे में खुद एक्ट्रेस ने खुलकर बात की है.हुमा कुरैशी ने कहा– एक इंडस्ट्री के तौर पर अब समय आ गया है कि हम अपने अंदर देखें और सोचें कि हम अपनी कहानियों को अलग तरीके से कैसे बता सकते हैं. दर्शक हमसे क्या उम्मीद कर रहे हैं या वे किसके लिए तैयार हैं. मैं स्ट्रीमिंग प्रोजेक्ट्स, बड़ी फिल्मों और इंडी फिल्में मिलाकर रही हूं. मुझे यही करना पसंद है, हर जगह अपना दांव लगाना.हुमा कुरैशी ने अपनी पॉपुलर सीरीज महारानी को अपनी सक्सेस का क्रेडिट दिया. वे कहती हैं– मैं महारानी से पहले और बाद में अपने करियर को साफ तौर पर डिफाइन कर सकती हूं. ये वो शो था जहां लोग खड़े हुए और मेरी काबिलियत पर ध्यान दिया. इसकी सफलता ने लोगों को उन रोल्स में मेरी कल्पना करने पर मजबूर

खत्म नहीं हो रहा भूल भुलैया 3 का क्रेज, 15वें दिन 220 करोड़ का आंकड़ा कर लिया पार

कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 का बॉक्स ऑफिस पर डंका बज रहा है. दिवाली रिलीज ये फिल्म वाकई बॉक्स ऑफिस पर रिलीज के पहले दिन से धमाका कर रही है और दो हफ्ते पूरा होने के बाद भी भूल भुलैया 3 का क्रेज दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा है और इसी के साथ ये फिल्म करोड़ो में कमाई कर रही है. चलिए यहां जानते हैं फिल्म ने रिलीज के 15वें दिन कितना कलेक्शन किया है?1 नवंबर को बॉक्स ऑफिस पर दो बड़ी फिल्मों अजय देवगन की सिंघम अगेन और कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 का टकराव हुआ था. शुरुआत में तो सिंघम अगेन ने भूल भुलैया 3 पर बढ़त बनाए रखी थी लेकिन फिर कार्तिक की हॉरर कॉमेडी ने अजय की एक्शन थ्रिलर को ऐसी पटखनी दी कि अब सिंघम अगेन का पत्ता ही साफ होता नजर आ रहा है. फिलहाल श्रूह बाबाथ् और श्मंजुलिकाथ् ने बॉक्स ऑफिस को अपने कब्जे में किया हुआ है और इसी के साथ ये फिल्म बॉबी देओल और सर्या की नई रिलीज कंगुवा के आगे भी खूब कमाई कर रही है. इसी के साथ श्भूल भुलैया 3थ् सिनेमाघरों में दो हफ्ते भी पूरे कर चुकी है इस दौरान इस हॉरर कॉमेडी फिल्म ने अपने बजट से काफी ज्यादा कमाई कर ली है. वहीं अब ये फिल्म रिलीज के तीसरे हफ्ते में पहुंच चुकी है. श्भूल भुलैया 3थ् की कमाई की बात करें तो इसने पहले हफ्ते में 158.25 करोड़ रुपये कमाए थे और दूसरे हफ्ते में फिल्म का कलेक्शन 58 करोड़ रुपये रहा. अब श्भूल भुलैया 3थ् की रिलीज के 15वें दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं.सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक भूल भुलैया 3 ने रिलीज के 15वें दिन 4 करोड़ रुपये कमाए हैं. इसी के साथ श्भूल भुलैया 3थ् की 15 दिनों की कुल कमाई अब 220.25 करोड़ रुपये हो गई है. भूल भुलैया 3थ् में कार्तिक आर्यन, विद्या बालन, माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी ने अपनी दमदार अदाकारी के साथ दर्शकों का दिल जीत लिया है.

इसी के साथ श्भूल भुलैया 3थ् की बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस भी काफी शानदार रही है. 150 करोड़ की लागत में बनी ये हॉरर कॉमेजी 220 करोड़ से ज्यादा की

कमाई कर चुकी है. फिल्म के क्रेज को देखते हुए मेकर्स को उम्मीद है कि ये फिल्म तीसरे वीकेंड पर 250 करोड़ का आंकड़ा पार कर देख लेगी. अब देखने वाली बात होगी कि ये फिल्म तीसरे वीकेंड पर कितना कलेक्शन कर पाती

खाली पेट फल खाने के फायदे हैं या नुकसान ? जानें सच्चाई

खाली पेट फल खाने को लेकर कई तरह की धारणाएं हैं। कुछ लोग मानते हैं कि इससे शरीर को पोषण मिलता है, जबकि कुछ लोग इसे हानिकारक मानते हैं।इस लेख में हम इन धारणाओं का विश्लेषण करेंगे और जानेंगे कि खाली पेट फल खाना सही है या नहीं। हम वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी इस पर चर्चा करेंगे, ताकि आप सही निर्णय ले सकें।इसके अलावा, हम यह भी जानेंगे कि कब खाली पेट फल खाना फायदेमंद होता है।खाली पेट फल खाने से पाचन बेहतर होता है?कई लोग मानते हैं कि खाली पेट फल खाने से पाचन स्वास्थ्य बेहतर होता है। हालांकि, वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो यह पूरी तरह सही नहीं है।फलों में फाइबर और पानी की मात्रा अधिक होती है, जो पाचन में मदद कर सकते हैं। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि इन्हें खाली पेट खाया जाए।अगर आप पहले से ही किसी गैस्ट्रिक समस्या से जूझ रहे हैं, तो खाली पेट फल खाना आपके लिए हानिकारक हो सकता है।क्या सुबह–सुबह केवल फल खाना वजन घटान में मदद करता है?वजन घटाने के लिए कई लोग सुबह–सुबह खाली पेट फल खाते हैं। इसमें कोई शक नहीं कि फलों में कैलोरी कम होती है और ये विटामिन और मिनरल का अच्छा स्रोत होते हैं।हालांकि, केवल फलों पर निर्भर रहना संतुलित डाइट नहीं मानी जा सकती। वजन घटाने के लिए प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट्स और वसा का संतुलन भी जरूरी होता है, ताकि शरीर को सभी आवश्यक पोषक तत्व मिल सकें और ऊर्जा बनी रहे।क्या खाली पेट खट्टे फल खाना सुरक्षित है?नींबू और संतरे जैसे खट्टे फलों को लेकर धारणा बनी हुई है कि इन्हें खाली पेट खाने से एसिडिटी बढ़ सकती है।हालांकि, यह सभी लोगों पर लागू नहीं होता। अगर आपका पाचन तंत्र मजबूत है तो आप इन्हें बिना किसी चिंता के खा सकते हैं। वहीं, जिन लोगों को एसिडिटी की समस्या है, उन्हें इनका सेवन नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे परेशानी बढ़ सकती है।अपनी शारीरिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए खाली पेट खट्टे फल खाएं।क्या रात को सोने से पहले फल खाना सही होता है?रात को सोने से पहले हल्का भोजन करना अच्छा माना जाता है, ताकि नींद अच्छी आए और पाचन भी ठीक रहे।ऐसे में कुछ लोग रात को सोने से पहले सिर्फ फल खाते हैं, जो एक स्वस्थ विकल्प हो सकता है।ज्यादा मात्रा में फ्रक्टोज लेने से ब्लड शुगर का स्तर बढ़ सकता है, इसलिए फलों का सेवन संतुलित

54 बुजुर्गों का किया गया पंजीकरण

पिपरौली गोरखपुर । पिपरौली ब्लॉक मुख्यालय के मुख्य सभागार में समाज कल्याण विभाग भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) द्वारा 60 वर्ष तथा इसके ऊपर के लोगों के सहायक उपकरण के लिए एक शिविर लगाया गया। शिविर में इन बुजुर्गों का सहायक उपकरण के लिए पंजीकरण किया गया। जिसमें आज कुल 54 बुजुर्गों का पंजीकरण किया गया।

इसके इंचार्ज अशोक प्रताप सिंह ने बताया कि समाज कल्याण विभाग और एलिम्को द्वारा यह शिविर संचालित किया गया । जिसमें 60 वर्ष तथा 60 वर्ष के ऊपर के बुजुर्ग जिनको कमर में, कंधे में या पैर में दर्द हो, कान से कम सुनाई देता हो या किसी भी प्रकार की दिक्कत हो उनके लिए सहायक उपकरण की व्यवस्था की गई है। जिसमें कान कि मशीन, व्हीलचेयर, कमोड, क्षणी, कमर कि बेल्ट, गले के बेल्ट इत्यादि शामिल है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि आज जिनका पंजीकरण हुआ है उनको बाद में सहायक उपकरण प्रदान किए जाएंगे ।जिसकी सूचना उनको मोबाइल से दे दी जाएगी।यह शिविर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चला।इस अवसर पर अनिल कुमार मंझवार, जेपी यादव, शोभित द्विवेदी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

खाद के लिए आपस में भीड़ें किसान

घघसरा गोरखपुर । पाली क्षेत्र में किसानों को डीएपी खाद के लिए भारी किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। पाली क्षेत्र के साधन सहकारी समिति बनौली में खाद लेने के लिए किसान रविवार को उमड़ पड़े। पुलिस की मौजूदगी में खाद का वितरण शुरू हुआ। इसी बीच किसानों में खाद लेने की होड़ में विवाद हो गया। इसके बाद पुलिस ने वितरण बंद करा दिया। इससे किसानों को मायूस लौटना पड़ा। सहजनवां तहसील क्षेत्र में किसी भी समिति पर डीएपी खाद उपलब्ध नहीं है। किसान खाद के लिए लगातार चक्कर काट रहे हैं। पाली ब्लॉक के बनौली समिति पर रविवार को खाद का वितरण शुरू किया। इसकी जानकारी जैसे ही किसानों को हुई। समिति पर भारी संख्या में भीड़ उमड़ पड़ी जबकि, समिति पर मात्र 200 बोरी डीएपी खाद आया था। पुलिस की मौजूदगी में खाद का वितरण शुरू हुआ। करीब 50 बोरी खाद वितरण हुआ था। इस पर किसानों के बीच विवाद हो गया। लाइन में लगे किसान विरोध पर उतर आए। किसी तरह पुलिस ने विवाद को शांत कराया और वितरण बंद करा दिया। इस पर किसानों को मायूस होकर लौटना पड़ा। सचिव सुरेंद्र यादव ने बताया कि पुलिस की मौजूदगी में खाद वितरण के दौरान विवाद हो गया अब पर्याप्त खाद आने के बाद वितरण किया जाएगा।

संविधान दिवस के अवसर पर पंजाब में सम्मानित होंगे गोरखपुर शहर के तीन अनमोल रत्न

सहजनवां गोरखपुर । गोरखपुर हेल्प फॉर निडी फाउंडेशन के जानिब से डी. ए. वी. कॉलेज बीबी वाला रोड, भटिंडा, पंजाब में आयोजित होने वाले ऐतिहासिक नेशनल ह्यूमैनिटी अवार्ड में संविधान दिवस के अवसर पर गोरखपुर शहर के तीन अनमोल रत्नों को अपने–अपने क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित करने के लिए संस्था के जानिब से सम्मानित किया जाएगा।

गोरखपुर शहर के तीन अनमोल रत्नों में से पहला नाम वरिष्ठ समाजसेवी हाजी जलालुद्दीन कादरी, दूसरा नाम युवा जन कल्याण समिति के अध्यक्ष कुलदीप पांडेय व तीसरा नाम संराईज एजुकेशनल एंड वेलफेयर एसोसिएशन (सेवा) के संरक्षक व डायरेक्टर मोहम्मद आकिब अंसारी को अपने–अपने क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित करने के लिए संस्था के जानिब से सम्मानित किया जाएगा। इस ऐतिहासिक अवार्ड समारोह में पूरे भारतवर्ष से लगभग 200 से ज्यादा लोगों को सम्मानित किया जाएगा। यह जानकारी संस्था के संरक्षक आनंद जैन ने प्रेस वार्ता के माध्यम से दी।

सशस्त्र सीमा बल द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

महावनखोर गोरखपुर। गोरखपुर सशस्त्र सीमा बल के प्रशिक्षु प्रशिक्षण केंद्र एवं संयुक्त चिकित्सालय द्वारा दिनांक 18 नवंबर 2024 दिन सोमवार को कम्पोजिट हास्पिटल एसएसबी गोरखपुर में एक रक्तदान शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन बाबा राघवदास मेडिकल कॉलेज के सहयोग से किया गया। इस शिविर में एसएसबी के कार्मिकों और प्रशिक्षुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा स्वेच्छा से रक्तदान किया। इस आयोजन का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना था । कार्यक्रम के दौरान एसएसबी के वरिष्ठ अधिकारियों ने उपस्थित होकर रक्तदान करने वाले जवानों का उत्साहवर्धन किया और इस नेक कार्य को समाज सेवा का उत्तम उदाहरण बताया। बाबा रघवदास मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों और स्टाफ ने इस शिविर के आयोजन में सहयोग प्रदान किया और रक्त संग्रह का कार्य सुचारू रूप से संपन्न किया । सशस्त्र सीमा बल की यह पहल समाज के प्रति उसकी

जिम्मेदारी और सेवा भाव को दर्शाती है। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने रक्तदान के महत्व को समझा और भविष्य में इस कार्य में अपना योगदान देने की प्रेरणा प्राप्त की। शिविर के अंत में एसएसबी अधिकारियों ने भविष्य में भी इस प्रकार के सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का सफल समापन सभी के सहयोग और सेवाभाव के साथ हुआ। आकस्मिक समय में रक्तदान के लिए संपर्क करें । सशस्त्र सीमा बल,प्रशिक्षु प्रशिक्षण केंद्र एवं संयुक्त चिकित्सालय गोरखपुर।

मनुष्य को अवैध धन संग्रह से बचना चाहिए – स्वामी प्रणवानंद महराज

जंगल कौड़िया गोरखपुर। भागवत कथा के तीसरे दिन आरसी उत्सव भवन मुहम्मदपुर पचवारा खास में चल रहे श्रीमद भागवत कथा में स्वामी प्रणवानंद महराज ने कहा कि नारद जी सनातन धर्म के महान सुधारक है। उन्होंने देखा – समाज में सत्य और संयम की कमी हो रही है। स्वार्थ और भ्रष्ट आचरण बढ़ गया है। सत्य निष्ठा, दया और सहयोग का स्थान क्रूरता और भ्रष्ठाचार ने लिया है।उन्होंने मानव जीवन को शुचि, शांत, समृद्ध और निर्दोष बनाने के लिए पांच सूत्र दिए– ईश्वर पर भरोसा करो, अच्छे, शुचि लोगों का संग करो, भ्रष्ट आचरण से बचो, दुर्व्यसन से दूर रहो, और अपने कर्तव्य कर्म को ईमानदारी से करो। इसी से हम में, परिवार में, समाज तथा राष्ट्र में शुचिता, समृद्धि और शांति आएगी। विकास का मूल सत्य निष्ठा है। सत्यनिष्ठा से संयम, समृद्धि तथा सदाचार आता है। इसीलिए भारत ने सत्यमेव जयते सत्य की विजय होती है इस वाक्य को राष्ट्रीय चरित्र में

समावेश किया। भागवत का आरम्भ भी सत शब्द से होता है। जीवन में सत हो, सत्यनिष्ठा हो, ईमानदारी हो। घमंड, व्यभिचार, हिंसा, नशा, और गलत तरीके से कमाए धन में कलयुग रहता है। इसलिए धर्म शील राजा, प्रजा , प्रजा वर्ग के नेता गण तथा धार्मिक उपदेशक गुरुजनों को घमंड, व्यभिचार, हिंसा, नशा और अवैद्य धन संग्रह से बचना चाहिए। हम इन पांच चीजों से बच गए तो हम सतयुग में है। आरसी भवन सभागार में व्यास पीठ पर पूज्य आचार्य स्वामी प्रणवानंद जी महाराज श्री ने उक्त बाते कही। यजमान जायसवाल परिवार तथा आदि गणमान्य लोगों ने व्यासपीठ का पूजन कर आशीर्वाद लिया।

कटेहरी उपचुनाव अखिलेश यादव का भाजपा पर तीखा प्रहार, समाजवादी प्रत्याशी को जिताने की अपील

अयोध्या।(आरएनएस) समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कटेहरी विधानसभा उपचुनाव में जनसभाओं को संबोधित करते हुए भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी शोभावती वर्मा को भारी मतों से जिताने की अपील की और कहा कि इस चुनाव के नतीजे प्रदेश की राजनीति में बड़ा बदलाव लाएंगे।अखिलेश यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा की हार के बाद से पार्टी नेताओं में घबराहट बढ़ गई है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर समाज में नफरत और भेदभाव फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा नेताओं में खुद मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर असंतोष है। अखिलेश ने कहा, ष्मुख्यमंत्री जी की कुर्सी खतरे में है, और पार्टी के अंदर ही उन्हें हटाने की कोशिशें हो रही हैं।ष्किसानों की समस्याओं को उठाते हुए यादव ने कहा कि भाजपा सरकार खाद की कमी और कालाबाजारी को रोकने में नाकाम रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार किसानों को पर्याप्त डीएपी और अन्य खाद उपलब्ध नहीं करा पा रही है, जिससे किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उन्होंने वादा किया कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर किसानों के हित में बड़े फैसले लिए जाएंगे।अखिलेश यादव ने स्वास्थ्य सेवाओं पर भी सरकार को आड़े हाथों लिया और झांसी मेडिकल कॉलेज में शॉर्ट सर्किट से हुई बच्चों की मौत को सरकारी लापरवाही का नतीजा बताया। उन्होंने कहा कि गोरखपुर में ऑक्सीजन की कमी से हुई मौतों के बावजूद सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार नहीं किया, जिससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर भाजपा सरकार को घेरते हुए यादव ने कहा कि मुनाफाखोरी के चलते महंगाई चरम पर है और युवा बेरोजगारी से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जनता के बुनियादी सवालों का समाधान करने की बजाय मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी सड़क से संसद तक जनता की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार है।अयोध्या एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा नेता घबराए हुए हैं और उनकी भाषा अब अंग्रेजों की श्फूट डालो, राज करोश नीति जैसी हो गई है।

बड्स एंड ब्लासम स्कूल में कला प्रदर्शनी मेले का भव्य आयोजन

लखनऊ(आरएनएस) ।बाला कदर रोड स्थित बड्स एंड ब्लॉसम स्कूल में वेस्ट मटेरियल से बनी वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाई गई।जिसमें नर्सरी से लेकर कक्षा 8 तक के छात्र–छात्राओं ने स्वयं और अपने टीचर्स,अभिभावकों की मदद से वेस्ट मटेरियल से बनी हुई वस्तुओं को मनमोहक मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया।मॉडलों में लेयर ऑफ द अर्थ,जूट वर्क आदि विशेष रूप से दर्शनीय रहे।छोटे बच्चों ने तितली, गाजर, पशु–पक्षी और फल–फूलों के भी छोटे–छोटे क्राफ्ट मॉडल बनाएं,रंगोली भी दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहीं।इस क्राफ्ट प्रदर्शनी का उद्घाटन विद्यालय की प्रधानाचार्य शिप्रा घोषाल ने किया।इस मौके पर प्रधानाचार्य शिप्रा घोषाल ने कहा कि 26 से अधिक वर्षों से हर वर्ष हम लगातार यह प्रदर्शनी लगाते रहते हैं, इस प्रदर्शनी की तैयारी में बच्चों के साथ–साथ स्कूल का स्टाफ और बच्चों के अभिवावकों की भी सराहनीय भूमिका रहती है।बहुत कम समय में इन सबने बहुत अच्छी तैयारी की है जिसको देखकर के दर्शकों ने बड़ी प्रशन्सा की है।

हमने धारावी की जमीन किसी को नहीं दी, बीजेपी का कांग्रेस पर पलटवार, एक हैं तो सेफ हैं, राहुल गांधी फेक हैं

एजेंसी।

महाराष्ट्र भाजपा नेता ने कहा कि सच तो यह है कि जो धारावी में रहेगा उसे वहीं घर मिलेगा। प्रत्यक्ष निवेश के हिसाब से देखें तो सबसे ज्यादा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश यह देश महायुति सरकार के समय आया था। भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर मुंबई में धारावी पुनर्विकास परियोजना के खिलाफ बदनामी भरा अभियान चलाने का आरोप लगाया है। एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान, भाजपा के विनोद तावड़े ने उद्योगपति गौतम अडानी के साथ कांग्रेस के पिछले

व्यापारिक संबंधों पर प्रकाश डालते हुए आरोपों का खंडन किया। विनोद तावड़े ने कहा कि हमने धारावी की जमीन किसी को नहीं दी है। राहुल जी, धारावी की जमीन महाराष्ट्र सरकार की ही रहेगी। आपने (राहुल गांधी) कहा कि हम गरीबों को वहां से हटाना चाहते हैं। उन्होंने दावा किया कि यह टेंडर महा विकास अघाड़ी के समय बनी टेंडर शर्तों के आधार पर जारी किया गया था। भाजपा नेता ने कहा कि सच तो यह है कि जो धारावी में रहेगा उसे वहीं घर मिलेगा। प्रत्यक्ष निवेश के हिसाब से देखें तो सबसे ज्यादा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश यह देश महायुति सरकार के समय आया था। आपके समय में महाराष्ट्र की रैंकिंग नीचे चली गयी। राहुल के लॉकर वाले वार पर तावड़े ने कहा कि क्या राहुल गांधी रॉबर्ट वाड्रा, अशोक गहलोत, रेवंत रेड्डी, शशि थरूर और गौतम अडानी के साथ फोटो खिंचवाने वाले अन्य कांग्रेस नेताओं को भूल गए हैं? क्या उनकी तिजोरी (लॉकर) में ये तस्वीरें नहीं थीं? एक हैं तो सेफ हैं, राहुल गांधी फेक हैं। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा की गई प्रेस कॉन्फ्रेंस बेहद निम्न स्तर की थी।

गारंटी योजना पर झूठे दावे को लेकर महाराष्ट्र सरकार पर मुकदमा दर्ज कराने पर कर रहे हैं विचार

एजेंसी।

महाराष्ट्र मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा कि उनकी सरकार अपनी प्रमुख 'गारंटी' योजनाओं के बारे में कथित रूप से झूठे विज्ञापन जारी करने के लिए

चुनावी राज्य महाराष्ट्र की सरकार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने पर विचार कर रही है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने कहा कि 'महायुति' सरकार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की संभावनाओं पर विचार किया जा रहा है।बेंगलुरु । कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा कि उनकी सरकार अपनी प्रमुख 'गारंटी' योजनाओं के बारे में कथित रूप से झूठे विज्ञापन जारी करने के लिए चुनावी राज्य महाराष्ट्र की सरकार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने पर विचार कर रही है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने कहा कि 'महायुति' सरकार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की संभावनाओं पर विचार किया जा रहा है। महाराष्ट्र की महायुति सरकार में भारतीय जनता पार्टी, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना और अजित पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी घटक हैं।

जिस तरह से राहुल गांधी बोलते हैं, उन्हें कोई भी गंभीरता से नहीं लेता... नितिन गडकरी ने कसा तंज

लोकसभा चुनाव के दौरान निराशाजनक प्रदर्शन के बाद महायुति गठबंधन के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में पूछे जाने पर गडकरी ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान मतदाताओं को बड़े पैमाने पर विपक्ष द्वारा भ्रमित किया गया था।केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि किसी को भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र के लोग 20 नवंबर के राज्य विधानसभा चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन पर भरोसा जताएंगे। गडकरी ने कहा कि जिस तरह से राहुल गांधी बोलते हैं, कोई भी उन्हें गंभीरता से नहीं लेता। मुझे लगता है कि लोगों को उनकी टिप्पणियों को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। पीएम मोदी के अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन की तरह स्मृति हानि से पीड़ित होने के गांधी के आरोपों पर गडकरी ने कहा कि कांग्रेस नेता गैर–जिम्मेदाराना तरीके से बोलते हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान निराशाजनक प्रदर्शन के बाद महायुति गठबंधन के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में पूछे जाने पर गडकरी ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान मतदाताओं को बड़े पैमाने पर विपक्ष द्वारा भ्रमित किया गया था। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि एक कहानी बनाई गई थी कि अगर हम 400 से अधिक सीटें जीतते हैं, तो हम डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर द्वारा तैयार किए गए संविधान में संशोधन करेंगे। गडकरी ने कहा कि संविधान बदलने का कोई सवाल ही नहीं है। हम न तो ऐसा करेंगे और न ही दूसरों को करने देंगे।

लखनऊ में भी बनेगा भव्य गुरुकुल और.... गौशाला हम बनवाएंगे– राष्ट्रीय अध्यक्ष हिन्दू देवप्रकाश शुक्ला

संवाददाता।

लखनऊ– भारत में हिन्दुत्व एवं सनातन धर्म की अलख जगाने वाले एवं हिंदुत्व की ध्वजा को देश के कोने कोने में फहराने वाला संगठन राष्ट्रीय युवा वाहिनी सनातन के हित के लिए हमेशा धार्मिक कार्य करता रहा है। ऐसा प्रतीत होता है आगामी वर्षों में पूरे भारत वर्ष में हिंदुत्व का सबसे बड़ा एवं एकमात्र संगठन बस यही होगा, जो भारत देश के हर सनातन प्रेमी के हृदय में निवास करेगा। भारत भूमि को हिन्दू राष्ट्र बनाने का लक्ष्य लेकर चलने वाले हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष हिन्दू देवप्रकाश शुक्ला जी एक बार फिर आज एक हिन्दू जनसभा को संबोधित करने

लखनऊ पहुँचे जहाँ उन्होंने कहा कि हम लखनऊ में भी बनेगा भव्य गुरुकुल और गौशाला हम बनवाएंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने कहा कि संगठन द्वारा उन गरीब कन्याओं का विवाह कराया जाता है जिन कन्याओ के पिता विवाह करने में सक्षम नहीं है। संगठन द्वारा सर्दियों से बचने के लिए गरीब लोगों में कम्बल और कपड़े बांटे जाएंगे। इतना ही नहीं हमारा संगठन अनाथ बच्चों की पढ़ाई एवं कापी– किताबों की व्यवस्था भी करता है। वृद्ध लोगों के लिए वृद्ध आश्रम की व्यवस्था भी करेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष जी मिलकर सभी उपस्थित जनमानस में उत्साह देखने को मिला।

लक्ष्मणपुर अवध महोत्सव 2024 लखनऊवासियों का उमड़ा उत्साह, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और खरीदारी का आनंद

लखनऊ(आरएनएस)। प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट और ''प्रगति इवेंट'' द्वारा आयोजित ''लक्ष्मणपुर अवध महोत्सव 2024'' में लखनऊ शहर और आसपास के क्षेत्रों से भारी संख्या में लोग पहुंचे। महोत्सव के दौरान लोगों ने जमकर खरीदारी की और बच्चों व युवाओं ने झूलों का भरपूर आनंद लिया। फूड स्टॉल्स पर भी भीड़ रही, जहां लोग विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा रहे थे। रविवार को विशेष रूप से महोत्सव में शहरवासियों ने छुट्टी का पूरा आनंद लिया और संडे का सेलिब्रेशन किया। सांस्कृतिक संध्या'' का आकर्षण लोकगायिका ''प्रीति लाल'' की प्रस्तुतियों से बढ़ गया। उन्होंने अपनी आवाज से महोत्सव को जीवंत बना दिया। प्रीति ने गणेश वंदना से शुरुआत की और इसके बाद सरयू मैया के गीत, सोहर, बधाई गीत और मेला गीत जैसे प्रमुख भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी। उनके गीतों पर दर्शकों ने दिल खोलकर तालियां बजाईं। राइजिंग डांस अकैडमी'' के कलाकारों ने भी अपनी बेहतरीन डांस प्रस्तुतियों से महोत्सव में चार चांद लगाए। अविरल शुक्ला के नेतृत्व में राम कथा, गणेश वंदना, कथक और वेस्टर्न डांस का मंचन हुआ। कलाकारों ने अपनी नृत्य कला से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। महोत्सव के उद्घाटन अवसर पर ''अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह'' और ''उपाध्यक्ष एन बी सिंह'' ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने उपस्थित सभी का धन्यवाद करते हुए महोत्सव को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में ''नीलम श्रीवास्तव'', ''प्रेम शर्मा'', ''अलका वर्मा'', और ''रेणु गौर'' ने भी अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। लक्ष्मणपुर अवध महोत्सव 2024 ने लखनऊवासियों को एक मंच पर इकट्ठा किया, जहां उन्होंने संस्कृति, कला, संगीत और नृत्य का आनंद लिया और महोत्सव की सारी गतिविधियों का पूरा लुत्फ उठाया।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष ने सहारनपुर में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का किया निरीक्षण

लखनऊ(आरएनएस) उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष, डॉ. बबिता सिंह चौहान ने सहारनपुर में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया और विद्यालय में सुधार के लिए अधिकारियों को दिशा–निर्देश दिए। इस दौरान वे राज्य महिला आयोग की सदस्य सुश्री सपना कश्यप के साथ खलासी लाइन स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय और रामपुर स्थित दृष्टिबाधित बालिका विद्यालय का भी निरीक्षण करने पहुंचीं। डॉ. बबिता सिंह चौहान ने विद्यालय में शुद्ध और ताजा भोजन की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने विद्यालय की साफ–सफाई और बालिकाओं के निरंतर स्वास्थ्य परीक्षण पर विशेष ध्यान देने की बात की। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। इसके बाद, महिला आयोग की अध्यक्ष ने राजकीय दृष्टिबाधित बालिका विद्यालय रामपुर मनिहारान का भी दौरा किया, जहां प्रधानाचार्य ने म्यूजिक प्रशिक्षिका की आवश्यकता जताई।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य सपना विजय कश्यप, संगीता जैन, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुश्री कोमल, जिला समाज कल्याण अधिकारी सुश्री अर्चना, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी सुश्री अर्चना, जिला प्रोबेशन अधिकारी श्री अभिषेक कुमार पांडेय और जिला कार्यक्रम अधिकारी नंदलाल प्रसाद उपस्थित थे।

71वें अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह का आयोजनरू सहकारी उद्यम में

अश्विन के खिलाफ सक्रिय रहने की जरूरत, उन्हें लय हासिल करने का मौका नहीं देना होगा– स्मिथ

स्टीव स्मिथ 2020–21 श्रृंखला के दौरान भारतीय स्पिनर के खिलाफ अपने संघर्ष से बचने के लिए आगामी बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में रविचंद्रन अश्विन के खिलाफ सक्रिय रवैया अपनाना चाहते हैं। इस भारतीय ऑफ स्पिनर ने2023 में ऑस्ट्रेलिया के इस पूर्व कप्तान को दो बार आउट किया था। स्मिथ इस दौरान अश्विन के खिलाफ सिर्फ 22 रन ही बना सके थे।मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ 2020–21 श्रृंखला के दौरान भारतीय स्पिनर के खिलाफ अपने संघर्ष से बचने के लिए आगामी बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में रविचंद्रन अश्विन के खिलाफ सक्रिय रवैया अपनाना चाहते हैं। इस भारतीय ऑफ स्पिनर ने2023 में ऑस्ट्रेलिया के इस पूर्व कप्तान को दो बार आउट किया था। स्मिथ इस दौरान अश्विन के खिलाफ सिर्फ 22 रन ही बना सके थे। स्मिथ ने कहा, ''मुझे ऑस्ट्रेलिया में ऑफ स्पिन

के खिलाफ आउट होना पसंद नहीं है। वह हालांकि बहुत अच्छा गेंदबाज है और उसकी योजनाएं शानदार होती है। कुछ ऐसे मौके आए जब वह मुझ पर दबदबा बनाने में सफल रहा।''स्मिथ ने कहा, '' एससीजी (सिडनी क्रिकेट मैदान) में मैं सक्रिय रवैया अपनाकर उस पर हावी होने में सफल रहा। ऐसे में मेरे लिए यह अहम है कि उसके खिलाफ सक्रिय बल्लेबाजी कर के उसे लय हासिल और उस तरह से गेंदबाजी नहीं करने दे जिस तरह से वह चाहता है।'' ऑस्ट्रेलिया में अश्विन का टेस्ट गेंदबाजी औसत 42.15 है जबकि उनका घरेलू औसत 21.57 है। स्मिथ को उम्मीद थी कि 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली पांच मैचों की श्रृंखला में वह 38 साल के गेंदबाज के खिलाफ शुरुआती बढ़त हासिल करने में सफल रहेंगे। तमिलनाडु के इस खिलाड़ी ने हाल ही में कहा था कि उन्होंने स्मिथ के खिलाफ कुछ योजनाएं बनाई है। अश्विन ने 'चौनल सेवन' से कहा था, ''स्टीव स्मिथ स्पिन के खिलाफ एक खिलाड़ी के रूप में विशेष रूप से आकर्षक हैं। उनके पास एक अनूठी तकनीक है, यहां तक कि तेज गेंदबाजी को खेलने की भी।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन स्पिन के मामले में मुझे लगता है कि वह अच्छी रणनीति और अच्छी तैयारी के साथ आया था और हां, वह इसे किसी भी परिस्थिति में लागू करता था। और पिछले कुछ वर्षों में मैंने इसे समझने के तरीके और साधन खोज लिए हैं।''ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स के खिलाड़ी स्मिथ ने कहा, '' अश्विन का मुकाबला करते समय आपको मानसिक चुनौती से निपटना होता है। श्रृंखला की शुरुआत में अगर कोई एक दबदबा बनाने में सफल रहा तो वह हावी हो सकता है।'' पैंतीस साल के स्मिथ 10,000 टेस्ट रन से 315 रन दूर है। वह भारत के खिलाफ श्रृंखला में अपनी पसंदीदा चौथे क्रम पर बल्लेबाजी में वापसी करेंगे। स्मिथ ने पिछले चार टेस्ट में पारी का आगाज किया था लेकिन वह इसमें सफल नहीं रहे।

मैकग्रा ने आस्ट्रेलिया को 'भावनात्मक' ज्ञवीसप के खिलाफ 'कड़ा रुख' अपनाने को कहा

ग्लेन मैकग्रा का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया के पास 'भावनात्मक' विराट कोहली को निशाना बनाने की 'क्षमता' है और यह स्टार बल्लेबाज अगर बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी की खराब शुरुआत करता है तो 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली श्रृंखला में दबाव में आ जाएगा। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली चार टेस्ट श्रृंखला जीती हैं।मेलबर्न । दिग्गज तेज गेंदबाज ग्लेन मैकग्रा का मानना घ्छहै कि ऑस्ट्रेलिया के पास 'भावनात्मक' विराट कोहली को निशाना बनाने की 'क्षमता' है और यह स्टार बल्लेबाज अगर बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी की खराब शुरुआत करता है तो 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली श्रृंखला में दबाव में आ जाएगा। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली चार टेस्ट श्रृंखला जीती हैं जिनमें से दो ऑस्ट्रेलिया में खेली गई। टीम इंडिया को हालांकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट की श्रृंखला से पूर्व पिछली श्रृंखला में स्वदेश में न्यूजीलैंड के खिलाफ 0–3 से क्लीनस्वीप का सामना करना पड़ा।फॉक्स क्रिकेट ने 'कोड स्पोर्ट्स' पर मैकग्रा के हवाले से कहा, ''इसमें कोई संदेह नहीं है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ 0–3 की हार के बाद, आपके पास खुद को साबित करने के लिए बहुत क्षमता है।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए उन पर दबाव डालें और देखें कि वे इसके लिए तैयार हैं या नहीं।'' एक दशक से अधिक समय से भारत की बल्लेबाजी के मुख्य आधार रहे कोहली पिछले कुछ समय से टेस्ट क्रिकेट में खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। इस साल उन्होंने जो छह मैच खेले हैं उनमें उनका औसत मात्र 22.72 रहा है। चोटिल शुभमन गिल पहले टेस्ट से बाहर हैं और कप्तान रोहित शर्मा का खेलना भी संदिग्ध है और ऐसे में कोहली बल्लेबाजी क्रम का नेतृत्व करने का दबाव महसूस करेंगे।हालांकि 36 वर्षीय कोहली ऑस्ट्रेलिया में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के चार दौरों में 54.08 के प्रभावशाली औसत से रन बनाए हैं। मैकग्रा ने चेतावनी दी कि कोहली को आक्रामक तरीके से निशाना बनाने से यह स्टार बल्लेबाज भी

उत्साहित हो सकता है विशेषकर अगर वह अपनी भावनाओं को काबू में रखने में कामयाब रहता है तो। ऑस्ट्रेलिया के लिए 1993 से 2007 के बीच 124 मैच में 563 टेस्ट विकेट लेने वाले 54 वर्षीय मैकग्रा ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह थोड़ा दबाव में है और अगर वह शुरू में कुछ कम स्कोर करता है तो वह वास्तव में इसे महसूस करेगा। मुझे लगता है कि वह काफी भावनात्मक खिलाड़ी है।

पंत का दुर्घटना की चोट से उबरना चमत्कार था, मुझे लगा था कि वह कभी नहीं खेल पायेंगे–रवि शास्त्री

पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कार दुर्घटना के बाद जब ऋषभ पंत को अस्पताल में देखा था तब उनके क्रिकेट भविष्य को लेकर अनिश्चित थे। उन्होंने विकेटकीपर बल्लेबाज के चोट से उबरने को 'चमत्कार' बताया। पंत ने बीते सत्र में सीमित ओवरों की क्रिकेट में वापसी करने के बाद दलीप ट्रॉफी से लाल गेंद प्रारूप में सफल वापसी की थी। मेलबर्न । भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने भीषण कार दुर्घटना के बाद जब विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को अस्पताल में देखा था तब उनके क्रिकेट भविष्य को लेकर अनिश्चित थे। उन्होंने विकेटकीपर बल्लेबाज के चोट से उबरने को 'चमत्कार' करार दिया। पंत ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बीते सत्र में सीमित ओवरों की क्रिकेट में वापसी करने के बाद दलीप ट्रॉफी से लाल गेंद प्रारूप में सफल वापसी की थी। वह बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला में भारतीय टीम का हिस्सा थे। शास्त्री ने 'न्यूज डॉट कॉम डॉट एयू' से कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो, अगर आपने उसे देखा होता तो आप उससे दोबारा क्रिकेट खेलने की उम्मीद नहीं करते।''भारत के इस पूर्व हरफनमौला ने कहा, ''मैं इसे कभी नहीं भूलूंगा।

जांच कराई जाए कि गाजा पर इजराइल का हमला `जनसंहार' की श्रेणी में तो नहीं

पोप फ्रांसिस ने यह तय करने के लिए जांच का आह्वान किया है कि क्या गाजा में इजराइल के हमले 'नरसंहार' हैं। 'पोप जुबली ईयर' से पहले पुस्तक के अंशों से यह जानकारी दी गई। पोप फ्रांसिस ने पहली बार गाजा पट्टी में इजराइल की सैन्य कार्रवाई के दौरान 'नरसंहार' के आरोपों की जांच के लिए खुलकर मांग की है। रोम । कैथोलिक ईसाई धर्म के शीर्ष नेता पोप फ्रांसिस ने यह तय करने के लिए जांच का आह्वान किया है कि क्या गाजा में इजराइल के हमले 'नरसंहार' हैं। 'पोप जुबली ईयर' से पहले रविवार को जारी एक नई पुस्तक के अंशों से यह जानकारी दी गई। पोप फ्रांसिस ने पहली बार गाजा पट्टी में इजराइल की सैन्य कार्रवाई के दौरान 'नरसंहार' के आरोपों की जांच के लिए खुलकर मांग की है। उन्होंने सितंबर में कहा था कि गाजा और लेबनान में इजराइल के हमले 'अनैतिक' और असंगत हैं और उसकी सेना युद्ध नियमों से परे चली गई है। हर्नान रेयेस अलकेड द्वारा लिखित और पोप के

साथ साक्षात्कार पर आधारित इस पुस्तक का शीर्षक है ''आशा कभी निराश नहीं करती। बेहतर दुनिया की ओर मुसाफिर''। इस किताब का लोकार्पण पोप फ्रांसिस की ''2025 जुबली'' से पहले किया जाएगा। उम्मीद है कि फ्रांसिस की एक साल चलने वाली 'जुबली' को मनाने के लिए तीन करोड़ से अधिक यात्री रोम आएंगे। इतालवी दैनिक 'ला स्टैम्पा' में रविवार को प्रकाशित अंशों के मुताबिक पोप ने कहा, ''कुछ विशेषज्ञों के अनुसार, गाजा में जो कुछ हो रहा है, उससे नरसंहार के लक्षण मिले हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमें सावधानीपूर्वक जांच करनी चाहिए कि क्या यह न्यायविदों और अंतरराष्ट्रीय निकायों द्वारा तैयार की गई तकनीकी परिके अनुरूप है।

यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में जहाज को निशाना बनाकर संदिग्ध हमला किया

हूती विद्रोहियों ने लाल सागर के दक्षिणी छोर से गुजर रहे एक वाणिज्यिक जहाज को निशाना बनाकर संदिग्ध हमला किया। हूती विद्रोही जलमार्ग से गुजरने वाले जहाजों को निशाना बनाकर पिछले कई महीनों से हमला कर रहे हैं। इस जलमार्ग से आम तौर पर प्रति वर्ष एक हजार अरब अमेरिकी डॉलर का माल गुजरता है।दुबई । यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर के दक्षिणी छोर से गुजर रहे एक वाणिज्यिक जहाज को निशाना बनाकर संदिग्ध हमला किया। हालांकि इस हमले में जान–माल की कोई हानि नहीं हुई। हूती विद्रोही जलमार्ग से गुजरने वाले जहाजों को निशाना बनाकर पिछले कई महीनों से हमला कर रहे हैं। इस जलमार्ग से आम तौर पर प्रति वर्ष एक हजार अरब अमेरिकी डॉलर का माल गुजरता है। यह हमला गाजा

में इजराइल–हमास युद्ध और लेबनान में इजराइल के जमीनी हमले के कारण हुआ है। ब्रिटेन की सेना के 'यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन सेंटर' (यूकेएमटीओ) ने 'अलर्ट' जारी कर कहा कि जहाज जब लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ने वाले बाब अल–मंदेब जलडमरूमध्य के पास से गुजर रहा था, तभी उसके कप्तान ने देखा कि ''जहाज के बहुत करीब मिसाइल गिरी''। यह हमला यमन के बंदरगाह शहर मोचा से लगभग 48 किलोमीटर पश्चिम में हुआ। यूकेएमटीओ ने कहा, ''जहाज और चालक दल सुरक्षित हैं तथा अपने अगले बंदरगाह की ओर बढ़ रहे हैं।'' हूतियों ने तत्काल हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

युद्ध का साया, अमेरिका में ट्रंप राज आया, जी 20 समिट में इन मुद्दों पर टिकी दुनिया की निगाहें

ब्राजील के शहर में उनके आगमन की घोषणा करते हुए विदेश मंत्रालय ने दिलचस्प बात यह है कि हवाई अड्डे पर मोदी का संस्कृत मंत्रों के साथ स्वागत किया गया। मोदी अंतरराष्ट्रीय मंच पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, चीन के शी जिनपिंग और अन्य विश्व नेताओं के साथ शामिल होंगे। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी 18–19 नवंबर को आयोजित होने वाले महत्वपूर्ण जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए ब्राजील के शहर रियो डी जनेरियो में हैं। मोदी की ब्राजील यात्रा नाइजीरिया की एक महत्वपूर्ण यात्रा के समापन के बाद हो रही है, जहां उन्होंने राष्ट्रपति बोला अहमद टीनुबू के साथ द्विपक्षीय वार्ता की और भारतीय समुदाय के साथ बातचीत की। ब्राजील के शहर में उनके आगमन की घोषणा करते हुए विदेश मंत्रालय ने दिलचस्प बात यह है कि हवाई अड्डे पर मोदी का संस्कृत मंत्रों के साथ स्वागत किया गया। मोदी अंतरराष्ट्रीय मंच पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, चीन के शी जिनपिंग और अन्य विश्व नेताओं के साथ शामिल होंगे। ब्राजील में मोदी ट्रोइका के सदस्य के रूप में 19वें जी–20 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। भारत ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के साथ जी–20 ट्रोइका का हिस्सा है। ट्रोइका में वर्तमान, पूर्ववर्ती और अगले जी–20 अध्यक्ष शामिल होते हैं और तीनों सदस्य जी–20 शिखर सम्मेलन की तैयारी में एक दूसरे के साथ सहयोग करते हैं। मोदी के साथ चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उनके अमेरिकी समकक्ष जो बाइडेन भी 18–19 नवंबर को रियो डी जेनेरियो शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले नेताओं में शामिल हैं। एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य मोदी ने नाइजीरिया से प्रस्थान के समय अपने वक्तव्य में कहा कि इस वर्ष, ब्राजील ने भारत की विरासत को आगे बढ़ाया है। मैं 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के हमारे दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए सार्थक चर्चाओं की आशा करता हूं। मैं इस अवसर पर कई अन्य नेताओं के साथ द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर विचारों का आदान–प्रदान भी करूंगा। पिछले वर्ष भारत की जी–20 अध्यक्षता के दौरान 55 देशों के अफ्रीकी संघ को जी–20 के स्थायी सदस्य के रूप में शामिल करना और यूक्रेन संघर्ष पर गहरे मतभेदों को दूर करते हुए नेताओं की घोषणा तैयार करना इस शिखर सम्मेलन की प्रमुख उपलब्धि रहा। जी20 में मोदीब्राजील में जी20 शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी की उपस्थिति महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के साथ जी20 ट्रोइका का सदस्य है। वह पिछले साल भारत के सफल राष्ट्रपति पद पर भी आगे बढ़ना चाहेंगे, जिसके दौरान उन्होंने वैश्विक दक्षिण की प्राथमिकताओं को मुख्यधारा में शामिल किया। यह भारत की अध्यक्षता के दौरान ही था कि अफ्रीकी संघ की स्थायी सदस्यता सुरक्षित की गई थी और यूक्रेन संघर्ष पर गहरे मतभेदों सहित चुनौतियों के बावजूद नेताओं की घोषणा तैयार की गई थी। अपनी यात्रा के तीसरे और अंतिम चरण में मोदी राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली के निमंत्रण पर 19 से 21 नवंबर तक गुयाना की यात्रा करेंगे। यह 50 से अधिक वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की गुयाना की पहली यात्रा होगी। जलवायु परिवर्तन पर फोकसजी–20 देशों का वैश्विक अर्थव्यवस्था में 85 प्रतिशत योगदान है और जलवायु वित्त पोषण में सहायता करने करने वाले बहुपक्षीय विकास बैंकों के वे सबसे बड़े योगदानकर्ता हैं। वे दुनियाभर में 75 प्रतिशत से अधिक ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन के लिए भी जिम्मेदार हैं। संयुक्त राष्ट्र के जलवायु प्रमुख साइमन स्टील ने जी–20 नेताओं को पत्र लिखकर उनसे जलवायु वित्त पर कार्य करने का आग्रह किया, जिसमें विकासशील देशों के लिए अनुदान बढ़ाना और बहुपक्षीय विकास बैंकों के सुधारों को आगे बढ़ाना शामिल है। इसे भी पढ़ेंरू अब कनाड़ा में खालिस्तान बनने की प्रक्रिया शुरू बाइडेन की अंतिम विश्व अंतर्राष्ट्रीय बैठक 5 नवंबर को अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने से पहले यह जी20 शिखर सम्मेलन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की अंतिम विश्व अंतर्राष्ट्रीय बैठक भी होगी। विशेषज्ञों का कहना है कि विश्व नेताओं को आश्वस्त करना कि अमेरिका बने रहने के लिए प्रतिबद्धता बाइडेन को जी20 में एक कठिन कार्य का सामना करना पड़ेगा। अपने उत्तराधिकारी के रूप में दुनिया में अकेले रहने के दृष्टिकोण के समर्थक के रूप में लगे हुए हैं। ओबामा प्रशासन में एशिया नीति का नेतृत्व करने वाले जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी

भारत को फंसाने में लगा यूरोप, बीच में रूस ने ली धांसू एंट्री

रूस का ये भी दावा है कि पश्चिम देश तकनीक ट्रांसफर की बात करते हैं लेकिन उनकी शर्तें इतनी कड़ी और जटिल हैं कि भारत को इसका वास्तविक लाभ नहीं मिल पाएगा। दूसरी ओर रूस ने हमेशा से भारत के साथ खुले दिल से सहयोग किया है। सस्ते के चक्कर में कभी कभी महंगा सौदा हो जाता है। रूस ने इस कहावत के जरिए भारत को आगाह किया कि अगर उसने सही समय पर निर्णय नहीं लिया तो ये फैसला आने वाले वक्त में भारत के लिए महंगा साबित हो सकता है। रूस ने साफ साफ भारत को चेतावनी दी कि अमेरिका और पश्चिमी देश भारत के स्वदेशीकरण का अध्ययन कर रहे और अपनी रणनीतियां बना रहे हैं। लेकिन इससे ठीक उलट रूस भारत के साथ सहयोग कर उनके रक्षा क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने में ईमानदारी से मदद करना चाहता है। रूसी थिंक टैंक कॉरनोगी मॉस्को सेंटर के अनुसार अमेरिका और पश्चिमी देश ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलॉजी (टीओटी) के नाम पर भारत को केवल भ्रमित कर रहे हैं। उनका उद्देश्य भारत की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करना नहीं बल्कि उनका अध्ययन करना है। जिससे वो भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता के खिलाफ जवाबी रणनीतियां बना सके। रूस का ये भी दावा है कि पश्चिम देश तकनीक ट्रांसफर की बात करते हैं लेकिन उनकी शर्तें इतनी कड़ी और जटिल हैं कि भारत को इसका

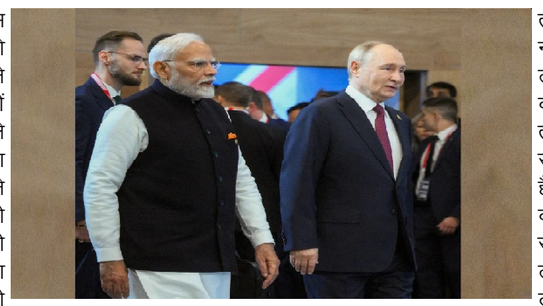

वास्तविक लाभ नहीं मिल पाएगा। दूसरी ओर रूस ने हमेशा से भारत के साथ खुले दिल से सहयोग किया है। चाहे वो ब्रह्मोस मिसाइल हो, सुखोई फाइटर जेट हो या टैंक का निर्माण करना हो। रूस ने भारत के साथ एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखा है जिसमें रूस भारत को ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलाजी देने को तैयार है। हथियारों का निर्णाण भारत में किया जाएगा। ये मॉडल पहले से सफल है, जैसे की ब्रह्मोस मिसाइल और सुखोई फाइटर जेट। रूस ने कहा कि मौजूदा युद्ध के चलते उसकी निर्यात क्षमता जरूर प्रभावित हुई है। लेकिन भारत में प्रोडक्शन की क्षमता और रूस की ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलाजी के साथ मिलकर इसे आसानी से हल किया जा सकता है।बात पश्चिमी देशों की करें तो वो तकनीक ट्रांसफर के नाम पर कड़ी शर्तें लगाते हैं। टीओटी केवल दिखावा है। तकनीकी विशेषज्ञता साझा नहीं की जाती है। भारत का उपयोग कर अपने फायदे की रणनीतियां बनाते हैं। लेकिन रूस तकनीकी ट्रांसफर के मामले में उदार रहा है। ब्रह्मोस मिसाइल जैसी परियोजना भारत और रूस के सहयोग का उदाहरण है। रूस भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए तैयार है। खैर, रूस का मानना है कि भारत और रूस के बीच का सहयोग जारी रहना चाहिए। पश्चिमी देशों के साथ तकनीक साझेदारी का कोई ठोस आधार नहीं है। रूस ने ये भी स्पष्ट किया है कि वो भारत के साथ 100 प्रतिशत टीओटी करने के लिए तैयार है। ये भारत के लिए एक सुनहरा अवसर है।

बांग्लादेश का न्यायाधिकरण पूर्व प्रधानमंत्री Sheikh Hasina की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस से जानकारी लेगा

बांग्लादेश में एक विशेष न्यायाधिकरण पुलिस से इस बारे में जानकारी लेगा कि देश की सुरक्षा एजेंसियों ने अपदस्थ पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके करीबी सहयोगियों की गिरफ्तारी के लिए क्या कदम उठाए हैं जिन पर कुछ महीने पहले हुए प्रदर्शनों में सैकड़ों लोगों की मौत के आरोप हैं।ढाका । बांग्लादेश में एक विशेष न्यायाधिकरण पुलिस से इस बारे में जानकारी लेगा कि देश की सुरक्षा एजेंसियों ने अपदस्थ पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके करीबी सहयोगियों की गिरफ्तारी के लिए क्या कदम उठाए हैं जिन पर कुछ महीने पहले हुए प्रदर्शनों में सैकड़ों लोगों की मौत के आरोप हैं। हसीना यहां छात्रों की अगुवाई में हुए प्रदर्शनों के बीच बांग्लादेश छोड़कर पांच अगस्त को भारत पहुंच गई थीं और तभी से वहां निर्वासन में रह रही हैं। ढाका स्थित 'इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल' ने 17 अक्टूबर को हसीना और 45 अन्य लोगों के लिए वारंट जारी किया था।जिनमें पूर्व कैबिनेट मंत्री, सलाहकार और सैन्य एवं प्रशासनिक अधिकारी शामिल हैं।

देश में इस समय अंतरिम सरकार है जिसके प्रमुख नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस हैं। न्यायाधिकरण में अभियोजक बी एम सुल्तान महमूद के अनुसार सोमवार को न्यायाधिकरण के समक्ष कम से कम 14 लोग पेश होंगे जिनमें एक पूर्व विधि मंत्री और हसीना के निजी क्षेत्र के एक सलाहकार और कारोबारी शामिल हैं। न्यायाधिकरण के अधिकारियों ने कहा कि छह अन्य लोग बुधवार को पेश होंगे।मामले में कम से कम 20 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। न्यायाधिकरण इस सिलसिले में हसीना समेत अन्य संदिग्धों को गिरफ्तार करने की दिशा में हुई प्रगति के बारे में पुलिस से जानकारी लेगा। न्यायाधिकरण के मुख्य अभियोजक ने हसीना की गिरफ्तारी के लिए देश के पुलिस प्रमुख के माध्यम से इंटरपोल से मदद मांगी है। यूनुस ने रविवार को राष्ट्र के नाम अपने संदेश में कहा था कि उनका प्रशासन भारत से हसीना के प्रत्यर्पण की मांग करेगा।

भारत में अधपका खाना खाने से, दिमाग में घुस गया था कीड़ा, ट्रंप के स्वास्थ्य मंत्री का अनोखा बयान

कंप्यूटर साइंटिस्ट लेक्स फ्रीडमैन के साथ पॉडकास्ट में बात करते हुए

उन्होंने बताया था कि किसी प्रोजेक्ट पर काम करने के लिए वो भारत आए थे। लेकिन शायद भारत में अधपका पॉर्क खाने की वजह से उन्हें ब्रेनवॉर्म हो गया था। जिसे शुरुआत में डॉक्टरों ने ट्यमर समझा था। बाद में कैनेडी ने साफ किया था कि फूड प्वॉइजनिंग की वजह से ऐसा हुआ था कि ना कि ब्रेनवॉर्म की वजह से।अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर को अपना स्वास्थ्य एवं मानव सेवा मंत्री नामित किया है। जूनियर कैनेडी को वैसे तो उनके विवादित बयानों की वजह से जाना जाता है। देश के नए स्वास्थ्य मंत्री के रूप में उनके चयन के बाद वो लगातार चर्चा में बने हुए हैं। उनका एक पुराना बयाव फिर से वायरल होने लगा। इसमें उन्होंने अपनी भारत प्रवास का जिक्र किया था। कैनेडी ने कुछ महीने पहले एक इंटरव्यू में दावा किया था कि 2010 में भारत की यात्रा के दौरान उनके दिमाग में कीड़ा घुस गया था। उन्होंने कहा कि भारत में अधपका पॉर्क खाने की वजह से ऐसा हुआ था।कंप्यूटर साइंटिस्ट लेक्स फ्रीडमैन के साथ पॉडकास्ट में बात करते हुए उन्होंने बताया था कि किसी प्रोजेक्ट पर काम करने के लिए वो भारत आए थे। लेकिन शायद भारत में अधपका पॉर्क खाने की वजह से उन्हें ब्रेनवॉर्म हो गया था। जिसे शुरुआत में डॉक्टरों ने ट्यमर समझा था। बाद में कैनेडी ने साफ किया था कि फूड प्वॉइजनिंग की वजह से ऐसा हुआ था कि ना कि ब्रेनवॉर्म की वजह से। गौरतलब है कि हाल ही में एक इंटरव्यू में कैनेडी जूनियर ने ट्रंप के खाने को जहरश बताया था। उन्होंने कहा था कि प्रचार अभियान के दौरान ट्रंप का आहार वास्तव में खराब था।

कैनेडी ने एक पॉडकास्ट में कहा था कि वह जो सामान खाता है वह वास्तव में खराब है। आपके पास एक विकल्प है। आपके पास कोई विकल्प नहीं है, आपको या तो केएफसी या बिग मैक दिया जाएगा। यह ऐसा है, जैसे, जब आप भाग्यशाली होते हैं, और फिर बाकी सामान को मैं अखाद्य मानता हूं।

अफ्रीका के सबसे ताकतवर देश में शेर की तरह घुसे मोदी, चीन के उड़े होश

अफ्रीका के 54 में से 53 देशों में चीन का कोई न कोई प्रोजेक्ट चल रहा है। लेकिन अब ये अफ्रीकी देश चीन से परेशान हो चुके हैं। चीन के निवेश से अफ्रीकी देशों को एक तरह से गुलाम बना दिया है। ये सभी देश धीरे धीरे कर्ज के जाल में फंसते चले जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक ऐसे देश के दौरे पर पहुंचे जहां 17 सालों तक कोई भारतीय पीएम नहीं गया। कुछ घंटों की यात्रा के बाद पीएम मोदी ने उस देश में कदम रखा जो भारत के लिए सबसे बड़ा कूटनीतिक और रणनीतिक खजाना हो सकता है। इस देश को अफ्रीका का सऊदी अरब तक कहा जाता है। इस देश में तेल के बड़े भंडार मिलते हैं। ये देश अफ्रीकी

महाद्वीप के 54 देशों में से सबसे ताकतवर और अमीर हैं। अब यही देश भारत को अफ्रीका महाद्वीप का बादशाह बना सकता है। पीएम मोदी नाइजीरिया के दौरे पर नजर आए। नाइजीरिया और पूरा अफ्रीकी महाद्वीप वो हीरा है जिसे चीन कब्जे में लेना चाहता है। मगर अब भारत रास्ते में आकर खड़ा हो गया है। अफ्रीकी महाद्वीप में भारत और चीन की सबसे बड़ी कूटनीतिक जंग शुरू होने वाली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने तीन देशों के दौरे के पहले पड़ाव के दौरान नाइजीरिया में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत 'सन्नू, नाइजीरिया' के साथ की। इस पारंपरिक नाइजीरियाई अभिवादन का मतलब 'नमस्ते' से है। पीएम मोदी ने इस अवसर पर कहा कि आपका स्नेह मेरे लिए पूंजी का एक बड़ा स्रोत है। आपसे मिलने, आपके साथ समय बिताने के लिए– मैं इन पलों को जीवन भर संजोकर रखूंगा। प्रधानमंत्री के रूप में नाइजीरिया की यह मेरी पहली यात्रा है, लेकिन मैं अकेला नहीं आया हूं। मैं अपने साथ भारत की मिट्टी की खुशबू और भारतीयों का ढेर सारा आशीर्वाद लेकर आया हूं। चीन की चालबाजी पर लगेगी लगामअफ्रीका के 54 में से 53 देशों में चीन का कोई न कोई प्रोजेक्ट चल रहा है। लेकिन अब ये अफ्रीकी देश चीन से परेशान हो चुके हैं। चीन के निवेश से अफ्रीकी देशों को एक तरह से गुलाम बना दिया है। ये सभी देश धीरे धीरे कर्ज के जाल में फंसते चले जा रहे हैं। लेकिन चीन की इसी क्रूर व्यापारिक गलती का भारत ने फायदा उठा लिया। भारत अफ्रीका में चीन जैसी गलती नहीं कर रहा है। भारत ने एक बड़े भाई की हैसियत और जिम्मेदारी से अफ्रीका के 43 देशों में अपनी मौजूदगी बना ली है। भारत ने इतिहास में

स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक,**सम्पादक कपिल देव शुक्ल** द्वारा विभव प्रिंटर्स गाटा सं025 लोलेपुर सुलतानपुर उ० प्र०. से मुद्रित तथा सलीमपुर ग्रेन्ट, पो० व थाना कुरेभार, जिला–सुलतानपुर (उ०प्र०) से प्रकाशित **सम्पादक– कपिल देव शुक्ल**,
मो० 9415739288,9721748962
E-mail: kdshukla-79@gmail.com समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र सुल्तानपुर न्यायालय होगा।